छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृह पत्रिका

संकल्प

अप्रैल 2025 | वर्ष 22 | अंक 02



सबसे बड़ा बिजली घर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया 2×660 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट, कोरबा पश्चिम का कार्य प्रारंभ

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के ऊर्जा क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपए निवेश के सपनों में रंग भरने की शुभ शुरूआत ...



विद्युत विकास के बढ़ते कदम

विवरण	नवम्बर 2000	फरवरी 2025
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	135 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट किमी	14,350 सर्किट किमी
400 केवी उपकेन्द्र की संख्या	1 नग	4 नग
400 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	945 एमवीए	3,150 एमवीए
400 केवी लाइन की लंबाई	277 किमी	1,928 किमी
220 केवी उपकेन्द्र की संख्या	5 नग	28 नग
220 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,350 एमवीए	10,960 एमवीए
220 केवी लाइन की लंबाई	1594.30 किमी	4,252 किमी
132 केवी उपकेंद्र की संख्या	20 नग	103 नग
132 केवी उपकेंद्र की क्षमता	1,257 एमवीए	12,050 एमवीए
132 केवी लाइन की लंबाई	2,974 किमी	8,281 किमी
33/11 केवी उपकेन्द्र की संख्या	248 नग	1,447 नग
33/11 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,033 एमवीए	9,876.90 एमवीए
33 केवी लाइन की लंबाई	6,988 सर्किट किमी	25,708 सर्किट किमी
11/04 केवी उपकेन्द्र की संख्या	29,692 नग	2,41,837 नग
11/04 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,951 एमवीए	14,088 एमवीए
11 केवी लाइन की लंबाई	40,556 किमी	1,37,245.06 किमी
निम्नदाब लाइन की लंबाई	51,314 किमी	2,36,171 किमी
उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब	18,90,998	64,64,265
उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब	530	4,100
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73,369	5,82,633
अस्थायी पंपों की संख्या	–	2,34,934
ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या	17,108	19,609
अधिकतम मांग	1,334 मेगावॉट	6,372 मेगावॉट

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृह पत्रिका

संकल्प

अप्रैल 2025 | वर्ष - 22 | अंक-2

संरक्षक



श्री सुबोध कुमार सिंह IAS
माननीय अध्यक्ष
सीएसपीटीसीएल



डॉ.रोहित यादव IAS
माननीय अध्यक्ष
सीएसपीजीसीएल / सीएसपीडीसीएल



श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
सीएसपीजीसीएल



श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
सीएसपीटीसीएल



श्री भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
सीएसपीडीसीएल

संपादक



उमेश कुमार मिश्र
अति. महाप्रबंधक, जनसंपर्क

संपादन सहयोग - गोविन्द पटेल, अनामिका मण्डावी,
छाया : संजय टेम्भे
कार्यालय सहयोग : सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे, शुभम बंछोर

फोन : 0771-2574702, 98936-24511
E-mail : procsphcl@gmail.com, powercomu01@gmail.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के लिए, कार्यालय अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) द्वारा प्रकाशित। प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 250 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है- मुद्रक : मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स, रायपुर

क्रम





सबसे बड़ा बिजलीघर	02
31 हजार 100 मेगावॉट के बिजलीघर लगाने एमओयू	06
अइसे जगमगइस हमर राजिम कुंभ (कल्प) मेला	09
सम्मान उनका, जो जोखिम से जूझ कर बिखेरते हैं उजाला	10
मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी : नया जिला	15
आपदा प्रबंधन की नई मिसाल	16
अंतर्राज्यीय पारेषण तंत्र विस्तार की ऊंची छलांग	17
पॉवर कंपनियों में 213 पदोन्नतियां	18
पॉवर सेक्टर राउन्ड अप - 6	19
मेरा संस्थान-मेरी शान- 6 : डंगनिया रायपुर औषधालय	20
अनवरत विद्युत विकास	22
परिचयावली	24
बिजली की कहानी	26
विदाई	30
खेल सितारा	32



प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया 2×660 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट, कोरबा पश्चिम का कार्य प्रारंभ

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी बनाएगी

सबसे बड़ा बिजलीघर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनियों के इतिहास में 30 मार्च 2025 का दिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण और गौरवशाली दिन के रूप में दर्ज हुआ जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2×660 मेगावॉट क्षमता के सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना का कार्य प्रारंभ किया। इस दिन बिलासपुर जिले के ग्राम मोहभट्ठा में श्री मोदी के हाथों 33,700 करोड़ रुपए लागत की योजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास तथा कार्य प्रारंभ किया गया जिसमें हसदेव थर्मल पॉवर स्टेशन, कोरबा पश्चिम परिसर में स्थापित होने वाले सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन का कार्य भी शामिल था। इस अवसर पर श्री मोदी के साथ छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, केंद्रीय मंत्री श्री मोहनलाल खट्टर, केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा सहित प्रदेश के समस्त मंत्रीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम स्थल में प्रदेश के मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, प्रमुख सचिव माननीय मुख्यमंत्री एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी श्री सुबोध कुमार सिंह, सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्ष छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन तथा डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी डॉ. रोहित यादव भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री के सभा स्थल पर प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार, श्री आरके शुक्ला तथा श्री भीमसिंह कंवर भी उपस्थित थे।

संबोधन के पहले श्री मोदी ने बटन दबाकर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के हसदेव थर्मल पॉवर स्टेशन परिसर में 2×660 मेगावॉट क्षमता के सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन के











हमने आगामी 10 वर्षों की कार्य योजना बनाकर उस पर अमल प्रारंभ किया। यह हमारे लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हमारे प्रयासों को बहुत गंभीरता से लिया और राज्य शासन व एनटीपीसी के बिजली घरों के साथ ही अन्य वृहत्तर परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास, कार्य आरंभ कराने के लिए छत्तीसगढ़ पधारे। इस तरह 30 मार्च 2025 का दिन छत्तीसगढ़ के विकास के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया है।

▪ विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़







छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा अधिकतम 500 मेगावॉट स्थापित क्षमता का विद्युत गृह संचालित किया जा रहा है। पहली बार 660 मेगावॉट स्थापित क्षमता वाला सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट स्थापित करने की शुरूआत बहुत ही सार्थक कदम है। यह राज्य के साथ ही छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के लिए भी गौरव का विषय है।

▪ **सुबोध कुमार सिंह** IAS
प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी

निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा- नवरात्र के 9 दिन छत्तीसगढ़ के लिए विशेष हैं। छत्तीसगढ़ में माता कौशल्या का मायका है। मेरा सौभाग्य है कि नवरात्र के पहले दिन मैं यहां पहुंचा हूं। छत्तीसगढ़ की राम भक्ति भी अद्भुत है। यहां रामनामियों ने पूरा शरीर भगवान राम को समर्पित किया है। मोहभट्ठा में स्वयंभू महादेव जी का मंदिर भी है। जिनके आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ के विकास को गति देने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा- 33 हजार 700 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इसमें गरीबों का घर है, स्कूल है, रोड है, बिजली है, पाइप लाइन है। ये सारे प्रोजेक्ट छत्तीसगढ़ के नागरिकों को सुविधा देने वाले हैं। नौजवानों के लिए नए रोजगार बनाने वाले हैं। पीएम मोदी ने कहा- ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में बड़ा बदलाव आने वाला है। आज जिन योजनाओं को लांच किया गया उसमें ऊर्जा के क्षेत्र की कई योजनाएं शामिल हैं। मैं आपको एक ऐसी योजना के बारे में बताऊंगा जिससे आपका बिजली का बिल जीरो रुपये आएगा और आप कमाई भी कर सकेंगे। हमारी सरकार ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की है। इस योजना के लिए हमारी सरकार 70 से 80 हजार रुपये की सब्सिडी दे रही है। अपने घर की छतों में सोलर प्लांट लगवाने से आपके घर का बिजली का बिल जीरो रुपये आएगा। इसके साथ ही आप इससे बनाई गई बिजली को बेचकर पैसे भी कमा सकते हैं।

संबोधन के पहले श्री मोदी ने बटन दबाकर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के हसदेव थर्मल पॉवर स्टेशन परिसर में 2×660 मेगावॉट क्षमता का सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन के निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया। इस तरह से हसदेव ताप विद्युत गृह परिसर सहित पूरे प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े लोगों ने प्रत्यक्ष या वर्चुअल रूप से इस आयोजन में अपने को शामिल किया तथा हर्ष व्यक्त किया। वहां परियोजना स्थल पर उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने परियोजना स्थल से प्रधानमंत्री श्री मोदी का अभिवादन किया। इस अवसर पर एचटीपीएस परिसर में परियोजना स्थल पर अनेक वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्य प्रारंभ होने के पहले पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात भारत हैवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड की टीम ने कार्य प्रारंभ किया। वहां मोहभट्ठा से ही श्री सुबोध कुमार सिंह, डॉ. रोहित यादव एवं एसके कटियार द्वारा एचटीपीएस के कार्यक्रमों को निर्देशित किया जा रहा था।

परियोजना स्थल पर कार्यपालक निदेशक (परियोजना) श्री सीएल. नेताम, मुख्य अभियंता



छत्तीसगढ़ की ऊर्जा राजधानी में स्थित हसदेव थर्मल पॉवर स्टेशन परिसर में उपलब्ध भूमि पर 660 मेगावॉट क्षमता के सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना को लेकर जिस तरह युद्धस्तर पर तैयारी की गई और कार्य प्रारंभ किया गया, वह अत्यंत ही उत्साहजनक है। स्टेट सेक्टर में इस वृहद क्षमता का पॉवर प्लांट स्थापित करने का विचार और इसे साकार करने की दृढ़ इच्छाशक्ति यह प्रदर्शित करती है कि हमारी टीम यह कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के लिए तत्पर है।

▪ **डॉ. रोहित यादव** IAS
सचिव ऊर्जा विभाग
छत्तीसगढ़ शासन एवं अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी



श्री पीके श्रीवास्तव एवं भेल के डीजीएम श्री राजेश राव ने विधि विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर भेल के 20 अभियंताओं की टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम में डीएसपीएम कोरबा पूर्व के मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल, एबीवीटीपीएस मड़वा के मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया एवं पीजीटीआई कोरबा पूर्व के कार्यपालक निदेशक श्री एसके बंजारा एवं रायपुर मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण समेत स्थानीय अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में कार्य शुभारंभ के साक्षी बने।

▪ हसदेव थर्मल पॉवर प्लांट का गौरवशाली इतिहास और विकास के नए आयाम

कोरबा जिले को प्रदेश की ऊर्जा राजधानी का गौरव प्राप्त है। हसदेव नदी इस जिले के मध्य से बहती है। नदी, घाटी और जंगलों से घिरे इस क्षेत्र में गेवरा, कुसमुंडा, दीपका जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण तथा वृहद ओपनकास्ट कोयला खदानें हैं। ये दोनों खदानें सालाना 120 मिलियन टन से ज्यादा कोयला उत्पादन करती हैं। गेवरा खदान गेवरा शहर में एक खुली खदान परिसर है जिसे भारत और एशिया की सबसे बड़ी खुली खदान के साथ-साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खदान बताया गया है।

अपार जल, कोयला तथा वन संपदा को देखते हुए इस क्षेत्र में 60 के दशक में ताप विद्युत उत्पादन की संभावनाएं देखी गई। जिसके कारण 60 के दशक में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल द्वारा यहां ताप विद्युत गृह स्थापित करने की शुरूआत की गई। 80 के दशक में हसदेव थर्मल पॉवर प्लांट की शुरूआत की गई। 210-210 मेगावॉट की चार इकाईयों के बाद 500 मेगावॉट की एक इकाई स्थापित की गई। यहां विस्तार की अपार संभावनाओं को देखते हुए सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन की 660-660 मेगावॉट की 2 इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई गई, जो अब साकार होने जा रही है।

2×660 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट, कोरबा पश्चिम

क्र.	कालक्रम	दिनांक
1	परियोजना प्रतिवेदन डीपीआर का अनुमोदन	22.09.2022
2	पर्यावरण अनापत्ति हेतु पर्यावरण मंत्रालय नई दिल्ली को आवेदन	09.02.2023
3	मेसर्स एनटीपीसी को परियोजना सलाहकार हेतु कार्यादेश	21.07.2023
4	परियोजना का शिलान्यास	29.07.2023
5	संक्षिप्त निविदा का प्रकाशन	04.09.2023
6	पीएफआईसी, छत्तीसगढ़ शासन से परियोजना का अनुमोदन	13.09.2023
7	निदेशक मण्डल के अनुमोदन उपरांत विस्तृत निविदा, पीक्यूआर (तकनीकी एवं वाणिज्यिक) का प्रकाशन	12.02.2024
8	परियोजना हेतु निविदा प्रपत्र का विक्रय	15.02.2024
9	टेक्नो कमर्शियल निविदा खोली गई	14.11.2024
10	फाइनेन्शियल बिड खोली गई	19.12.2024
11	वित्तीय बोली पर तृतीय तकनीकी वाणिज्यिक चर्चा	07.03.2025
12	पर्यावरण मंत्रालय द्वारा स्वीकृति	26.03.2025
13	संचालक मण्डल के अनुमोदन उपरांत कार्यादेश जारी	27.03.2025
14	पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त कर मेसर्स बीएचईएल को कार्यादेश जारी करने के पश्चात परियोजना का कार्य आरंभ।	30.03.2025



छत्तीसगढ़ शासन की मंशा, प्रेरणा और उत्साहवर्धन के कारण छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी ने न्यूनतम समय में सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना का कार्य तेजी से आगे बढ़ाया। मैं कंपनी परिवार की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन जी, हमारे अध्यक्ष महोदय श्री सुबोध कुमार सिंह एवं डॉ. रोहित यादव को धन्यवाद प्रेषित करता हूं। हमारी टीम ने जिस तरह कार्य प्रारंभ करने में तत्परता दिखाई है मुझे विश्वास है कि उसी उत्साह से इस परियोजना का कार्य भी निर्धारित समय में पूर्ण होगा। जिसका लाभ प्रदेश तथा प्रदेशवासियों को निर्धारित समय पर मिलना प्रारंभ हो जाएगा।

▪ एस के कटियार
प्रबंध निदेशक
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन अनुरूप कार्ययोजना

31 हजार 100 मेगावॉट के बिजलीघर लगाने एमओयू

मुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में 3 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर सहमति की मुहर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की उच्चतम प्राथमिकता और विशेष प्रयासों से छत्तीसगढ़ में 31 हजार 100 मेगावॉट स्थापित क्षमता के बिजलीघर स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। छत्तीसगढ़ शासन ऊर्जा विभाग तथा छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के तत्वावधान में 10 मार्च को छत्तीसगढ़ एनर्जी इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन होटल कोर्टयार्ड मेरिएट रायपुर में किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन और छत्तीसगढ़ की आगामी 10 वर्षों की बिजली मांग को देखते हुए व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है। जिसके तहत आगामी 5-6 वर्षों में अतिरिक्त 31 हजार मेगावॉट से अधिक की उत्पादन क्षमता हासिल करने के लिए विभिन्न संस्थाओं के साथ एमओयू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बिजली के उत्पादन, पारेषण तथा वितरण के क्षेत्र में आगामी वर्षों में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश सुनिश्चित किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद प्रदेश को सरप्लस पॉवर स्टेट का जो गौरव प्राप्त है उसे स्थाई रखने और आगे बढ़ाने की दिशा में विद्युत विकास की व्यापक कार्ययोजना बनाई गई है।







प्रदेश में प्रति व्यक्ति विद्युत खपत 2 हजार 211 यूनिट है जबकि भारत में मात्र 1 हजार 255 यूनिट औसत ही है। इससे पता चलता है कि छत्तीसगढ़ के विकास में बिजली की बड़ी भूमिका है। हमने हाल ही में प्रदेश की नई उद्योग नीति जारी की है जिसमें ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए भी आकर्षक प्रावधान किए गए हैं। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जो भी निवेशक आएंगे उनकी सुविधा के लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस प्रणाली लागू की गई है। शासन और प्रशासन द्वारा निवेशकों की सहूलियतों का ध्यान रखा जाएगा ताकि वे प्रदेश के विकास में अपनी भागीदारी निभा सकें।

संसाधनों के बेहतर उपयोग की पहल- अमिताभ जैन

मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने कहा कि सिर्फ ऊर्जा के क्षेत्र में तीन लाख करोड़ रुपए का निवेश आना बहुत बड़ी बात है। बड़े निवेश से अनेक लाभ मिलते हैं, जैसे रोजगार, क्षेत्रीय विकास (स्कूल, बाजार, सड़कें सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास) स्थानीय संसाधनों का समुचित उपयोग, सबको साथ लेकर चलने वाली संस्कृति का विकास। श्री जैन ने कहा

छत्तीसगढ़ में पहली बार न्यूक्लियर पॉवर प्लांट...







कि ये संयंत्र हमारे लिए भी सीखने के लिहाज से एक नया अनुभव होगा। प्रदेश की आधी जमीन पर जंगल हैं, आधी जमीन पर हमें अनाज उगाना है और निवास भी करना है। जमीन की कमी के बीच हमारे जलाशयों में फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्लांट लगाना, पीएम कुसुम और पीएम सूर्यघर योजनाओं के जरिए बिजली उत्पादन भी करना है। घर की छतों पर सौर बिजली उत्पादन से हम हाफ बिजली बिल योजना से मुफ्त बिजली योजना तक पहुंच सकते हैं।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण ऊर्जा विभाग के ओएसडी श्री सुनील कुमार जैन ने दिया, उन्होंने कहा कि यह एनर्जी समिट प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र को नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाले गौरवशाली दिन के रूप में याद किया जाएगा। इससे हम विकसित भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में अपना योगदान दे सकते हैं।

एनटीपीसी के कार्यपालक निदेशक श्री पीके मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से हम परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ें रहे

ग्रीन एनर्जी के विकास में छत्तीसगढ़ का बड़ा योगदान दर्ज होगा- सुबोध सिंह

मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव व छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने एनर्जी समिट के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री की परिकल्पना है 2047 तक विकसित भारत बनाने की। उसके लिए सबसे बड़ा योगदान ऊर्जा क्षेत्र का होगा। देश में ऊर्जा की पीक डिमांड 2024-25 में 250 गीगावॉट थी, यह 2032 में 458 गीगावॉट होने वाली है और 2047 में 750 गीगावॉट होगी। इन्हें पूरा करने के लिए हमें योजना बनानी है। जिससे हमारी ऊर्जा की जरूरतें पूरी हों और 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को भी ध्यान रखा जा सके। इसे देखते हुए परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में विशेष योजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही हाई एफिसिएंसी और सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट भी स्थापित किये जाएगे। रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में भी काफी काम हो रहा है। परन्तु दिन में हमारे पास सरप्लस बिजली होती है, इसे स्टोर करके रात में जब मांग पीक में हो तब उपयोग कर सकें, इसके लिए क्षमता बढ़ानी है। इसके लिए पंप स्टोरेज तकनीक और बैटरी स्टोरेज तकनीक पॉवर प्लांट की स्थापना की जानी है। अभी भी हम अधिक बिजली उत्पादन करने वाले राज्यों में शुमार हैं।

श्री सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ में प्रतिव्यक्ति ऊर्जा खपत (पर केपिटा एनर्जी कंजप्शन) 2 हजार 211 यूनिट है। जबकि भारत की प्रतिव्यक्ति ऊर्जा खपत लगभग 1 हजार 255 यूनिट ही है। इस तरह छत्तीसगढ़ का पर केपिटा एनर्जी कंजप्शन, भारत से लगभग दोगुना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में आगामी 5 वर्षों में पॉवर सेक्टर में 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश सुनिश्चित करने के लिए हम मजबूती से कदम बढ़ा रहे है। यहां जिन बिजलीघर की स्थापना के लिए एमओयू हो रहे है उनमें न्यूक्लियर एनर्जी एक नई पहल है। एनटीपीसी 80 हजार करोड़ रुपए की लागत से 4 हजार 200 मेगावॉट क्षमता के न्यूक्लियर बिजलीघर स्थापित करने के लिए आगे आई है। इससे ग्रीन एनर्जी के विकास में छत्तीसगढ़ का बड़ा योगदान दर्ज होगा। सार्वजनिक उपक्रमों एनटीपीसी द्वारा 2 हजार 400 मेगावॉट के ताप बिजलीघर, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा कोरबा में 1320 मेगावॉट के ताप बिजलीघर लगाये जायेंगे। इसी तरह प्राइवेट सेक्टर भी ऊर्जा विकास में अहम योगदान देने जा रहा है। अडानी द्वारा 6 हजार 120 मेगावॉट, जिंदल द्वारा 1 हजार 600 मेगावॉट, सारडा एनर्जी द्वारा 660 मेगावॉट के ताप विद्युत गृह भी लगाये जायेंगे।

हमारे जलाशय में फ्लोटिंग सोलर प्लांट लगाया जाएगा। वहीं जिंदल पॉवर ने 500 मेगावॉट का प्लांट लगाने का प्रस्ताव दिया है।

उन्होंने कहा कि पंप स्टोरेज तकनीक से बिजली उत्पादन के क्षेत्र में नई शुरूआत होने जा रही है। एसजेवीएन, टीएचडीसी, एनटीपीसी और छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी द्वारा मिलकर 7 हजार 300 मेगावॉट के बिजलीघर लगाये जायेंगे। इसी तरह निजी क्षेत्र में जिंदल द्वारा 3 हजार मेगावॉट तथा रिन्यू विद्युत तेज द्वारा 2 हजार मेगावॉट के पीएसपी बिजलीघर लगाये जायेंगे। रायगढ़, बिलासपुर और कबीरधाम जिले में पंप स्टोरेज प्लांट लगाए जाएंगे।

पीएम सूर्यघर योजना में राज्य शासन की ओर भी सहायता देने के लिए 200 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान माननीय मुख्यमंत्री ने किया है। प्रदेशभर में छह लाख घरों में इसे स्थापित किया जाएगा, इसमें लगभग 1200 मेगावॉट बिजली उत्पादित होगी। सरकारी स्कूल, अस्पताल में भी इसे लगाया जा सकेगा। इसी तरह पीएम कुसुम योजना में लोग अपना सोलर प्लांट खुद लगा सकते हैं। इसमें 4100 करोड़ का निवेश संभावित है।

उन्होंने बताया कि राजनांदगांव में सेकी के सहयोग से बैटरी स्टोरेज पॉवर प्लांट लगा है, इसी दिशा में और आगे बढ़ेंगे। श्री सिंह ने कहा कि इतनी अधिक बिजली पैदा होने पर उसके पारेषण और वितरण के लिए मजबूत प्रणाली विकसित करनी है। इसके लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी 17 हजार करोड़ रुपए की लागत से पारेषण प्रणाली को विकसित करेगी। इसके साथ ही वितरण कंपनी द्वारा आरडीएसएस व अन्य योजनाओं के जरिये वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे।



हैं, जिससे स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन होगा। हमारी परियोजनाएं बेहतर गति से आगे बढ़े इसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हम छत्तीसगढ़ में 4200 मेगावॉट के परमाणु संयंत्र स्थापित करना चाहते हैं। 700-700 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र बनाने की योजना है। इसके अतिरिक्त हम एनटीपीसी लारा में 1600 और सीपत में 800 मेगावॉट का थर्मल पॉवर प्लांट लगाने जा रहे हैं।

इस अवसर पर वित्त सचिव श्री मुकेश बंसल, उद्योग सचिव श्री रजत कुमार, मुख्यमंत्री व खनिज सचिव के सचिव श्री पी. दयानंद एवं मुख्यमंत्री एवं नवाचार विभाग के सचिव श्री राहुल भगत विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन छत्तीसगढ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने किया।

कार्यक्रम में क्रेडा के सीईओ श्री राजेश राणा, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशकगण सर्वश्री भीम सिंह कंवर एवं श्री राजेश कुमार शुक्ला, एनटीपीसी के कार्यपालक निदेशकगण सर्वश्री प्रसेनजीत पॉल, नीरज वर्मा, विमल गोपालाचार्य, जीएम जीबनचंद्र काकोती, सतलज जल विद्युत निगम के निदेशक श्री सुशील शर्मा, एवीपी रिनो तेज प्राइवेट लिमिटेड के श्री सुब्रमणियम पेशला, श्री संजय भारव्दाज, श्री श्रीकांत वैद्य, श्री समीर कुमार मित्रा, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के कार्यपालक निदेशकगण सर्वश्री वीके साय, केएस मनोठिया, एमएस चौहान, संजय पटेल, जेएस नेताम, सीएल नेताम, एमएस कंवर, संदीप मोदी, आरए पाठक, संदीप वर्मा, श्रीमती ज्योति नन्नौरे, श्रीमती कल्पना घाटे, संजय कुमार शुक्ला, मनीष गुप्ता मुख्य अभियंतागण सर्वश्री एम. जामुलकर, राजेंद्र प्रसाद, एसके गजपाल, गिरीश गुप्ता, रजनीश जांगड़े, श्रीमती नंदिनी भट्टाचार्य, श्रीमती शारदा सोनवानी, केबी पात्रे, अतिरिक्त महाप्रबंधक जनसंपर्क श्री उमेश कुमार मिश्र आदि उपस्थित थे।

प्रमुख परियोजनाएं और उनमें प्रस्तावित पूंजी निवेश

- **परमाणु ऊर्जा** – छत्तीसगढ़ में पहली बार परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाया जाएगा। भारत सरकार के उपक्रम एनटीपीसी द्वारा साफ और कुशल ऊर्जा उत्पादन के लिए 80,000 करोड़ का निवेश का प्रस्ताव दिया गया है। इसमें 700 मेगावॉट की छह यूनिट लगाने की योजना है। इस तरह कुल 4200 मेगावॉट के परमाणु संयंत्र लगेंगे।
- **ताप विद्युत:** – राज्य की ताप विद्युत क्षमता को मजबूत करने के लिए 1,07,840 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव है, इसके तहत छत्तीसगढ़ शासन के उपक्रम छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी 660-660 मेगावॉट के दो सुपर क्रिटिकल संयंत्र की स्थापना कोरबा में स्थापित करने जा रही है। इस 1320 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र की लागत 15800 करोड़ रुपए होगी। इसी तरह एनटीपीसी लारा (रायगढ़) में 1600 मेगावॉट और सीपत में 800 मेगावॉट क्षमता का संयंत्र लगाएगी।

निजी क्षेत्र से अडानी पॉवर 1600-1600 मेगावॉट के तीन संयंत्र कोरबा, रायगढ़ और रायपुर में तथा 1320 मेगावॉट का संयंत्र कोरबा में लगाएगी। जिंदल पॉवर 1600 मेगावॉट और सारडा एनर्जी 660 मेगावॉट का संयंत्र रायगढ़ में स्थापित करेगी।

- **सौर ऊर्जा** – सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार के लिए 10,000 करोड़ के निवेश के प्रस्ताव हैं, जिनमें एनटीपीसी और छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी मिलकर दो हजार मेगावॉट तथा जिंदल पॉवर डोलेसरा रायगढ़ में 500 मेगावॉट का सोलर पॉवर प्रोजेक्ट स्थापित करेगी।
- **पंप स्टोरेज परियोजनाएं** – छत्तीसगढ़ में नई तकनीक से किफायती और सस्ती बिजली उत्पादन के लिए पंप स्टोरेज पॉवर संयंत्रों की स्थापना की जा रही है, जिसमें विभिन्न जलाशयों के पानी का कई बार उपयोग करते हुए बिजली उत्पादन का लक्ष्य है। इसमें ग्रिड स्थिरता के लिए ऊर्जा भंडारण में 57,046 करोड़ के निवेश की योजना है। इसके तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी हसदेव बांगो जलाशय में 800 मेगावॉट और रौनी में 2100 मेगावॉट के दो पंप स्टोरेज प्लांट स्थापित करेगी। सार्वजनिक उपक्रम एनटीपीसी सिकासेर में 1200 मेगावॉट, सतलज जल विद्युत निगम कोटपल्ली में 1800 मेगावॉट, टिहरी हाइडल डेवलपमेंट कार्पोरेशन डोंगरी में 1400 मेगावॉट के पंप स्टोरेज संयंत्र की स्थापना करने जा रही है। निजी क्षेत्र जिंदल रिनोवेबल पॉवर 3000 मेगावॉट और रिन्यू विद्युत तेज 2000 मेगावॉट क्षमता का पंप स्टोरेज प्लांट लगाने जा रही है।
- **क्रेडा सौर पहल:**– क्रेडा के जरिये 108 परियोजनाओं पर निजी क्षेत्र ग्राउंड-माउंटेड ग्रिड कनेक्टेड पीवी इन्वेस्टमेंट के तहत कार्य कर रही है, जिसमें सौर ऊर्जा विस्तार के लिए 3,200 करोड़ रुपए के निवेश की योजना है।
- **पीएम कुसुम योजना:**– किसानों के बीच सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए प्रधामंत्री कुसुम योजना संचालित है, जिसके तहत क्रेडा 4,100 करोड़ रुपए की योजनाओं पर काम कर रही है।
- **पीएम सूर्यघर योजना:**– प्रदेश के छह लाख घरों में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य है, 1200 मेगावॉट क्षमता के सोलर पैनल घर की छतों में लगाने के लिए 6,000 करोड़ रुपए की योजना है। इसके लिए राज्य सरकार उपभोक्ताओं को अतिरिक्त सब्सिडी देने जा रही है। साथ ही सरकारी और निजी भवनों में 500 मेगावॉट के सोलर संयंत्र लगाने की योजना अगले पांच सालों में बनाई गई है, जिसमें 2500 करोड़ रुपए का निवेश होगा।
- **सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा:** सरकारी और निजी इमारतों में 500 मेगावॉट के सौर पैनल लगाने का प्रस्ताव है। आगामी पांच वर्षों में 2,500 करोड़ का निवेश होगा।
- **बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली:** छत्तीसगढ़ शासन और सेकी ने भारत का सबसे बड़ा बैटरी स्टोर पॉवर प्लांट (40 मेगावॉट) की स्थापना राजनांदगांव में की है। इससे 24 घंटे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। भविष्य में इस तरह के और संयंत्र लगाने के लिए 2,600 करोड़ का निवेश होगा।
- **पॉवर ट्रांसमिशन नेटवर्क** – प्रदेश में उत्पादित बिजली को उपकेंद्रों तक गुणवत्ता के साथ पहुंचाने के लिए बिजली पारेषण नेटवर्क को उन्नत करने जा रहा है। इसके तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी 13,000 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है।
- **आरडीएसएस (वितरण क्षेत्र योजना)** – रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत वितरण क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए वृहद कार्ययोजना बनाई गई है, जिसमें 11 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- **मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना** – छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में इस योजना के तहत 1585 करोड़ रुपए के कार्य कराये जाएंगे।

अइसे जगमगइस हमर राजिम कुंभ (कल्प) मेला



33/11 केवी उपकेंद्र, 31 वितरण ट्रांसफॉर्मरों की स्थापना और 24 घंटे बिजली अमले की तैनाती...

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध तथा दिव्य राजिम कुंभ (कल्प) मेला में इस बार बिजली की जगमगाहट ने सबका मन मोह लिया। 24 घंटे बिजली आपूर्ति की इतनी शानदार व्यवस्था की गई थी कि दिन और रात का अंतर ही समाप्त हो गया था। इन शानदार व्यवस्था के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर ने कार्यपालक निदेशक श्री संदीप कुमार वर्मा और उनकी टीम को बधाई दी है।



राजिम कुंभ (कल्प) मेला 12 फरवरी 2025 को प्रारंभ हुआ जो महाशिवरात्रि तक चला। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और जनमानस के आगमन की संभावना को देखते हुए 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए चाक-चौबंद व्यवस्था की गई। लगभग 1 माह चलने वाले इस मेले में विद्युत व्यवस्था अति महत्वपूर्ण विषय था। जिसमें विद्युत विभाग ने समय पर और अद्वितीय जगमगाहट की व्यवस्था की थी। श्री संदीप कुमार वर्मा, कार्यपालक निदेशक (रायपुर ग्रामीण क्षेत्र) एवं श्री अशोक खंडेलवाल, अधीक्षण अभियंता (वृत्त) रायपुर के मार्गदर्शन में कार्यपालन अभियंता श्री शिव कुमार गुप्ता द्वारा अपनी टीम के माध्यम से कार्य समय पर संपन्न कराये गए। मेला में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाये रखने हेतु ग्राम-चौबेबांधा में एक नये 33/11 केव्ही उपकेन्द्र का निर्माण किया गया। मेला स्थल में विभिन्न स्थानों पर 16 नग वितरण ट्रांसफॉर्मर एवं लोमश ऋषि आश्रम के समीप 15 नग वितरण ट्रांसफॉर्मर की स्थापना की गई। साथ ही संपूर्ण मेला क्षेत्र में किसी भी प्रकार के विद्युत व्यवधान के तत्काल निराकरण हेतु 24 घंटे अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। नवीन मेला स्थल चौबेबांधा के साथ-साथ श्री राजीव लोचन मंदिर, श्री कुलेश्वर महादेव मंदिर, लोमश ऋषि आश्रम, लक्ष्मण झूला, नवापारा ब्रिज, चौबेबांधा ब्रिज तथा महानदी के अंदर गंगा आरती के दौरान अनवरत विद्युत व्यवस्था बनाये रखने हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। इस बिजली व्यवस्था के कारण मेला में जगमगाहट रही। इस जगमगाहट की व्यवस्था से मेले के दौरान मेला घूमने आने वाले देश विदेश



के श्रद्धालुओं को अद्वितीय अनुभव प्राप्त हुआ। मेला में लगाई गई रोशनी की व्यवस्था ने सभी को आकर्षित किया। मेले में बिजली व्यवस्था से बढ़ी भव्यता की प्रशंसा प्रशासन, प्रबंधन व जनमानस द्वारा की गई।

▪ **अनामिका मंडावी**
सहायक प्रकाशन अधिकारी, रायपुर



सम्मान उनका, जो खम्भों और झूलते तारों के जोख़िम से जूझ कर बिखेरते हैं उजाला

केन्द्रीय विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार तथा केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के मार्गदर्शन पर देश में पांचवां लाइनमेन दिवस 4 मार्च, 2025 को आयोजित किया गया। नदी, घाटी, खेत, मैदान, घर, दुकान, कारखानें, सड़क, अस्पताल, स्कूल और तमाम भवन जैसी धरती की हर जगह पर बिजली खम्भों और तारों के माध्यम से ही पहुंचती है। बिजली के करंट वाले तारों पर काम करना जोखिम भरा होता है। सुरक्षा उपकरणों और उपायों का पालन करने का ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बावजूद अनेक ऐसी परिस्थितियां बनती है जिनमें कोई दुर्घटना भी घट जाती है। इसलिए लाइनमेन और लाइन स्टाफ की सेवाओं को मान्यता देने, उनका सम्मान करने के लिए लाइनमेन दिवस का बहुत महत्व है।



लाइनमेन वितरण तंत्र की नींव - भीम सिंह

रायपुर क्षेत्र में ...

रायपुर के गुढ़ियारी स्थित कल्याण भवन में लाइनमेन दिवस का आयोजन संयुक्त रूप से रायपुर शहर क्षेत्र तथा रायपुर ग्रामीण क्षेत्र द्वारा किया गया। 4 मार्च को आयोजित इस कार्यक्रम में रायपुर शहर क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के 60 लाइन कर्मियों को प्रबंध निदेशक(डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीमसिंह कंवर द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री संदीप वर्मा एवं मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि लाइनमेन वितरण तंत्र की नींव हैं जिनके बूते प्रदेश भर के 64 लाख उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने लाइन स्टाफ को सुरक्षा शपथ दिलाई और आव्हान किया कि सुरक्षा उपकरणों के साथ ही कार्यस्थल पर सेफ्टी जोन बना कर शांत मन से कार्य करें। सुरक्षा उपकरणों का उपयोग पूरी सावधानी के साथ करें। उन्होंने प्रबंधन स्तर पर कनिष्ठ अभियंताओं और सहायक अभियंताओं को निर्देशित किये कि मैदानी स्तर पर लाइन सुधार कार्यों को अपने निरीक्षण एवं मार्गदर्शन में संपादित करवायें।

कार्यपालक निदेशक (रायपुर ग्रामीण) श्री संदीप वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर गरियाबंद से श्री भूपेश ध्रुव, सारागांव से श्री जोगेश्वर वर्मा और भिलाई से श्री परमेश्वर चन्द्राकर को सुरक्षा मापदण्डों का पालन करते हुए उत्कृष्ट कार्य के लिए दिल्ली में सम्मानित किया गया। श्री वर्मा ने अपने उद्बोधन में जीरो एक्सीडेंट के लक्ष्य को प्राप्त करने पर जोर दिया। साथ ही लाइन स्टाफ से सुरक्षा उपकरणों और सावधानी के साथ कार्य करने की अपील की। इस अवसर पर रायपुर शहर के मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर ने लाइन स्टाफ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लाइनमेन का कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है। बारिश, गर्मी एवं कठिन परिस्थितियों में भी टूटे तार, लाइनों में फाल्ट सुधारने, ब्रेकडाउन, ट्रांसफार्मरों के सुधार कार्यों को लाइनमेन प्राथमिकता से करते हैं। ताकि उपभोक्तागण को निर्बाध विद्युत की आपूर्ति हो सके। कार्यक्रम में एल एंड टी के प्रतिनिधियों द्वारा सुरक्षा उपकरणों के महत्व और सुरक्षा मापदण्डों को पॉवर पांइट के माध्यम से बताया गया। इस अवसर पर कुछ लाइनमेन ने अपने सेवाकाल के दौरान हुई दुर्घटनाओं, विपरीत परिस्थिति में कार्य के दौरान आई चुनौतियों एवं अपने अनुभवों को भी साझा किया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश मिश्र ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री संजीव सिंह, अधीक्षण अभियंतागण सर्वश्री अशोक खण्डेलवाल, चंद्रमोहन कुमार, महेश ठाकुर सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

लाइनमेन दिवस पर दिल्ली में सम्मानित हुए, लौट कर कहा-

ऐसे सम्मान की तो उम्मीद भी नहीं थी

छत्तीसगढ़ के तीन बिजली कर्मवीरों को दिल्ली में आयोजित लाइनमेन दिवस समारोह में सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के लाइनमेन लाइनमेन श्री जोगेश्वर प्रसाद वर्मा सारागांव, श्री भूपेश्वर ध्रुव मैनपुर और श्री परमेश्वर चंद्राकर नेहरूनगर को उत्कृष्टता सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री सुबोध सिंह एवं प्रबंध निदेशक श्री भीमसिंह कंवर का भी आभार व्यक्त किया है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने देशभर में लाइनमेन दिवस पर विविध आयोजन किये। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में देशभर के चुने हुए लाइनमेन को केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अध्यक्ष श्री घनश्याम प्रसाद एवं दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सीईओ श्री गजानंद एस काले ने सम्मानित किया। इसमें हर प्रदेश के तीन-तीन लाइनमेन को चुना गया था। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री केएस भारती भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। सम्मान पाकर लौटे बिजलीकर्मियों ने इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा पुरस्कार बताया और कहा कि फील्ड में काम करते हुए हमें अनेक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन सभी चुनौतियों के बीच हमारा साहस ही हमें आगे बढ़ाता है। लाइनमेन दिवस पर सम्मान होने से हमारा साहस और बढ़ गया है। इस सम्मान से हमें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिली है।





दुर्ग क्षेत्र में ...

दुर्ग क्षेत्र में लाइनमेन दिवस के अवसर पर 41 लाइनकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विभागीय संभाग बालोद, बेमेतरा एवं साजा में भी संबंधित संभागीय कार्यालय में ही कार्यक्रम का आयोजन कर 20 लाइनकर्मियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवाल ने कहा कि बिजली वितरण के कार्य में इन कर्मवीरों का सबसे अहम योगदान है। ये कंपनी एवं उपभोक्ता के बीच की प्रथम कड़ी हैं। आज बिजली के बिना जीवन असंभव सा प्रतीत होता है। जीवन के हर क्षेत्र जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, वित्त, ट्रांसपोर्ट, जल आदि अन्य क्षेत्रों में बिजली की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में इन लाइन कर्मियों द्वारा प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समर्पित होकर किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने लाइनमेन दिवस पर समस्त मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फील्ड में कार्य करने के दौरान सुरक्षा उपायों को मूलमंत्र बनाकर सुरक्षित ढंग से कार्य करने की शपथ भी दिलाई।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बीआईटी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अरुण अरोरा ने लाइनकर्मियों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि निर्बाध विद्युत आपूर्ति के पीछे जो खतरों के खिलाड़ी हैं, वो लाइनकर्मी हैं। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री हर्ष कुमार मेश्राम ने लाइन कर्मियों को सुझाव देते हुए कहा लाइन में कार्य करते समय कर्मियों को हमेशा अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। थोड़ी सी चूक या लापरवाही खतरनाक हो सकती है। उन्होंने समस्त तकनीकी कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों एवं उपायों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता श्री एस.मनोज, श्री सलिल कुमार खरे एवं श्री जे. जगन्नाथ प्रसाद भी मंचासीन रहे।

कार्यक्रम में लाइनकर्मी श्री गोविंद साहू, श्री डिगेन्द्र कुमार साहू एवं श्री तारा साहू द्वारा लाइन कर्मियों को सुरक्षा उपकरण विस्तार से बताते हुए कर्मचारियों के द्वारा किस प्रकार इनका उपयोग करना है इनको प्रायोगिक तौर से दिखाया गया। लाइन कर्मियों द्वारा अपने सुरक्षा संबंधित अनुभवों एवं कार्यकाल के अनुभवों को भी साझा किया गया। कार्यक्रम में समस्त कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, लाइन कर्मचारी एवं उनके परिवारजन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।

राजनांदगांव क्षेत्र में ...

राजनांदगांव में लाइनमेन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर लाइनकर्मियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने लाइनकर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सुरक्षा उपकरणों एवं उपायों का पालन सुनिश्चत करने के टिप्स दिये। उन्होंने



लाइनमेन दिवस पर समस्त मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फील्ड में कार्य करने के दौरान सुरक्षा उपायों को मूलमंत्र बनाकर सुरक्षित ढंग से कार्य करने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री सेलट ने कहा कि लाइनकर्मी ही विद्युत कंपनी के प्रमुख आधारस्तंभ एवं मेरूदण्ड हैं। गर्मी, बरसात एवं विषम परिस्थितियों में चौबीसों घंटे सतत् विद्युत प्रदाय को बनाये रखना ही विद्युतकर्मियों की प्राथमिकता है। कार्यस्थल पर दुघर्टना रहित कार्य को संपादित करना हमारा पहला लक्ष्य होना चाहिए।

इस कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लाइनकर्मियों श्री लोकेश्वर साहू, श्री राजेश साहू, श्री दिलीप वैष्णव, श्री हेमप्रकाश साहू, श्री सुकुलराम साहू, श्री मन्नुलाल साहू एवं श्री पवन यदु को सम्मानित करते हुए उनके सेवाभाव की सराहना की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मंगल तिर्की, अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर, कार्यपालन अभियंता श्री आर.के. गोस्वामी, श्री एम.के. साहू, श्री बीरबल उइके सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बिलासपुर क्षेत्र में ...

बिलासपुर क्षेत्र द्वारा 4 मार्च को लाइनमेन दिवस मनाया गया। जिसमें विभिन्न मैदानी कार्यालयों में कार्यरत 70 लाइनकर्मी उपस्थित हुये। जिन्हें शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया। तिफरा स्थित कल्याण भवन में सम्मान समारोह एवं दुर्घटना रहित कार्यशैली विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बिलासपुर वृत्त एव नगर वृत्त बिलासपुर के मैदानी स्तर पर कार्यरत लाइन कर्मी उपस्थित हुये। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री डी.के.भोजक ने सुरक्षा उपकरणों के सुरक्षात्मक उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

बिलासपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री ए.के.अम्बस्ट ने कर्मियों से सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। श्री अम्बस्ट ने कहा कि ज्यादातर हादसे कर्मियों की छोटी-छोटी लापरवाही से होते हैं, इसलिए बचाव के साधनों का पूरा उपयोग करते हुए ही बिजली का कार्य करना चाहिये। उन्होंने कहा सुरक्षा का मूलमंत्र है, कि एक सेफ्टी जोन बनाकर कार्य करें। साथ ही समस्त तकनीकी कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरणों



एवं उपायों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश भी दिये। कार्यक्रम के अंत में बिलासपुर क्षेत्र अंतर्गत मैदानी स्तर पर कार्यरत 7 कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री सुरेश जांगड़े, श्री पी.आर.साहू कार्यपालन अभियंता श्री मिलिंद पाण्डेय, श्री पी.व्ही.एस. राजकुमार, श्रीमती पूर्णिमा सिंह, मो.शपथ सहायक अभियंता श्री हरीश कुर्रे, श्री भूपेश साहू, श्री संतोष देवांगन, श्रीमती संचारी सिंह एवं प्रकाशन अधिकारी श्री मुकेश माथुर उपस्थित थे।

रायगढ़ क्षेत्र में ...

रायगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय में 4 मार्च को राष्ट्रीय लाइनमेन दिवस का भव्य आयोजन किया गया जिसमें श्री पी.व्ही. सजीव, मुख्य अभियंता, श्री बी.एल. वर्मा, अति.मुख्य अभियंता, श्री एच.एस. शुक्ता, अधीक्षण यंत्री (कार्या.), श्री आर.पी. नायक, कार्यपालन यंत्री (कार्या.), भारतीय मजदूर संघ के पूर्व उपाध्यक्ष श्री एल.पी. कटकवार सहित कार्यपालन यंत्री उपस्थित रहे। मुख्य अभियंता ने श्री लक्ष्मी कांत केंवट, श्री मुरलीधर चौहान, श्री चुड़ामणी गुप्ता, श्री बसंत लकड़ा, श्री सोमनाथ्मा गोंड, श्री अजय चौधरी, श्री राम दयाल भगत, श्री रतिराम पटेल, श्री राजकुमार पटेल, श्री राकेश बेहरा, श्री हीरालाल पटेल, श्री हुलेश्वर देवांगन, श्री दिनेश साहू, श्री निर्बोध खल्खो, श्री फणिन्द्रनाथ जलतारे, श्री गजेन्द्र कुमार धोबी को सम्मानित किया।



अंबिकापुर क्षेत्र में ...



छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी अंबिकापुर द्वारा लाइनमेन दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अंबिकापुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री टी के मेश्राम, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आवेदन कुजूर, अधीक्षण अभियंता श्री आर के मिश्रा एवं के एन सिंह उपस्थित रहे। इस समारोह में अधिकारियों ने लाइनमेनों के महत्व, योगदान और सेवा कार्य के लिए सभा में उपस्थित सभी लाइनमेनों को पुष्पहार पहना कर सम्मानित किया। कार्यपालक निदेशक श्री मेश्राम ने क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था सुचारू बनाये रखने के लिए लाइनमेनों को धन्यवाद दिया। उन्होंने सम्पूर्ण सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुये कार्य करने की सलाह दी। इस अवसर पर सर्वश्री मोहम्मद हनीफ, अभिषेक बोहिदार, मेघनाथ, शोमित राम्, अरूण द्विवेदी, ठाकुरदास, राधेश्याम, चंद्र कुमार, सूरज सिंह, राजेन्द्र गुप्ता, मनीराम तांबे, भुवनेश्वर कश्यप, गणेश चौहान, शिवकुमार चंद्राकर, ईश्वर प्रसाद आदि वरिष्ठ लाइनमेन उपस्थित थे।

अधीक्षण अभियंता (उपकेन्द्र) वृत्त, कोरबा

कार्यालय कार्यपालक निदेशक उपकेन्द्र बिलासपुर

132 केवी उपकेन्द्र, कोरबा में 04 मार्च को लाइनमेन दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कोरबा वृत्त के कोरबा एवं बिश्रामपुर संभाग से लाइन सुपरवाइजर, लाइन निरीक्षक, लाइनमेन, तकनीशियन, सहायक लाइनमेन, तथा मददगार आदि श्रेणी के लगभग 40 लाइन कर्मचारी उपस्थित हुए। इस आयोजन में 03 लाइन कर्मचारियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री डी.एस. पटेल, कार्यपालन अभियंता श्री नवीन नितिन केरकेट्टा, सहायक अभियंता श्री विजय कुमार पात्रे, श्री आशीष सोनी, श्री जागेश्वर कुमार बंजारे, श्री राजबहादुर सुब्बा एवं कार्यालय सहायक श्रेणी-एक श्री तुलसीदास यादव सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें दुर्घटना रहित कार्यशैली पर प्रशिक्षण दिया गया।

लाइनमेन दिवस पर केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा दिल्ली में सम्मानित हुए तीन वरिष्ठ लाइनमेन अपनी जिंदगी के सफर पर जब गौर करते हैं तो उन्हें अहसास होता है कि उनकी सेवा के जज्बे ने उन्हें कैसे बड़ी-बड़ी चुनौतियों से लड़ना और जीतना सिखाया। इन तीनों की कहानी अलग-अलग जरूर है लेकिन तीनों का संघर्ष एक समान है। जंगल की भयावहता और बाढ़ जैसी आपदा का सामना करते हुए इन लोगों ने बिजली आपूर्ति की निरंतरता बनाए रखने में भूमिका निभाई।

› पिता की विरासत की रक्षा, बाढ़ और वन्य पशुओं का सामना - श्री भूपेश्वर ध्रुव



गरियाबंद संभाग के मैनपुर वितरण केंद्र में परिचारक श्रेणी वर्ग-01 के पद पर पदस्थ श्री भूपेश्वर ध्रुव नियमित तकनीकी कर्मचारी के रूप से काफी दक्ष हैं। उनका वितरण केंद्र वन आच्छादित, हाथी प्रभावित और नक्सल प्रभावित क्षेत्र है, ऐसी तमाम जटिलताओं के बावजूद उन्हें अपने कार्य क्षेत्र के लाइनों का अच्छा ज्ञान है और सुधार व रखरखाव उनके व्दारा तत्परता से किया जाता है। अपनी टीम को लीड करते हुए वे विषम परिस्थितियों में भी बेहतर कार्य निष्पादन करते हैं।

श्री ध्रुव के पिता श्री बैजनाथ ध्रुव मध्यप्रदेश विद्युत मंडल से लेकर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल तक में लाइनमेन रहे। वर्ष 2010 में स्वास्थ्य खराब होने के कारण उनका आकस्मिक निधन हो गया, जिसके बाद श्री भूपेश्वर ध्रुव को अनुकंपा नियुक्ति मिली। श्री ध्रुव का कहना है कि पॉवर कंपनी में कार्य करना अपने आप में गौरव की बात है। हम एक ऐसे संस्थान में काम करते हैं जहां पर उपभोक्ता सेवा सबसे बड़ा धर्म है। हमारी संस्थान भी हमारी प्रगति और हमारे परिवारवालों के स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखता है। श्री ध्रुव 15 साल से लाइनमेन के पद पर कार्यरत् हैं। उनकी पदस्थापना घने वनांचल और नक्सल प्रभावित क्षेत्र में है। उन्होंने बताया कि दुर्गम स्थल होने के कारण उन्हें अधिक मुस्तैद रहना पड़ता है। वे कहते हैं- खासकर बारिश के दिनों में आंधी के कारण जब फाल्ट आता है तो मैं अपनी टीम के साथ बिना समय गंवाए पेट्रोलिंग पर जाता हूं और मिलकर फाल्ट सुधारते हैं। वे बताते हैं कि तीन साल पहले गांव में बहुत अधिक बारिश हुई थी, तब नदी में बाढ़ के कारण वहां जाना मुश्किल था, तब हम लोग मुश्किल से नदी को तैरकर पार किये और दूसरी ओर पहुंचे और तब जाकर वहां विद्युत आपूर्ति बहाल हो सकी। अनेक बार रात में भी फाल्ट सुधारने जाना होता है।

› धैर्य से आक्रोश को जीतने में कामयाबी ही उपभोक्ता सेवा का मूलमंत्र - श्री परमेश्वर चंद्राकर



भिलाई नगर में लाइन परिचारक श्री परमेश्वर चंद्राकर 1990 से वितरण कंपनी में कार्यरत हैं। उनका कहना है- पहली बार निचले स्तर पर काम करने वालों को सम्मान मिलने से साथियों का भी उत्साहवर्धन हुआ है। हम लोगों को मैदानी क्षेत्र में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पहली बार इस तरह के आयोजन में सम्मानित होने से महसूस हुआ कि वास्तव में हम राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

श्री चंद्राकर ने अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मंडल से 1990 में मस्टरोल में अकुशल श्रमिक के रूप में कार्य करना आरंभ किया। 1995 में उन्हें हेल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति प्रदान की गई और उन्हें कांकेर में पदस्थ किया गया। उन्होंने कुछ समय तक कोंटा और सुकमा में भी काम किया। वर्तमान में उनकी पदस्थापना भिलाई क्षेत्र में की गई है। वे सहायक लाइनमेन के रूप में कार्यरत् हैं। उन्होंने बताया- फ्यूजकॉल या फीडर डिस्टर्ब या फिर लाइन ब्रेकडाउन जैसी समस्याओं को ठीक करने की जिम्मेदारी मेरे और टीम के पास है। आमतौर पर शहरी क्षेत्र में उपभोक्ताओं के पास धैर्य नहीं होता है, क्योंकि उनके कार्य और उनकी सुविधाएं बिजली के बिना अधूरी है। ऐसे में हमें कई बार उपभोक्ताओं के गुस्से का सामना करना पड़ता है। पर हम लोग अपना धैर्य नहीं खोते हैं, क्योंकि यह हमारा दायित्व है।

› उफनती नदी पार कर भी लाइन फाल्ट ढूंढने का जुनून - श्री जागेश्वर प्रसाद वर्मा



सारागांव वितरण केंद्र में पदस्थ परिचारक श्रेणी-01 श्री जागेश्वर प्रसाद वर्मा अपने वितरण केंद्र में उपभोक्ताओं के फ्यूज ऑफ कॉल सहित अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए काफी दक्ष हैं। उन्हें अपने क्षेत्र की लाइनों और उनमें आने वाली बाधाओं का पूरा ज्ञान है, इसीलिए जब कभी भी लाइन में फाल्ट आता है तो वे अपनी टीम के साथ त्वरित गति से पेट्रोलिंग करते हुए समस्या तक पहुंच जाते हैं और उसे कुशलतापूर्वक ठीक कर लेते हैं। इस कार्य के साथ ही उन्हें बकाया बिजली बिल वसूली का भी कार्य दिया गया है, जिसमें वे काफी बेहतर कार्य कर रहे हैं। आरडीएसएस योजना के क्रियान्वयन में भी वे अपनी दक्षता और कुशलता के आधार पर सराहनीय योगदान दे रहे हैं। सारागांव वितरण केंद्र का बड़ा क्षेत्र वनांचल और दुर्गम क्षेत्र में शामिल है। दुर्गम और वनांचल में काम करने में अलग तरह की चुनौतियां होती हैं, वहां प्रकृति की कठिनाइयों के साथ जीव-जन्तुओं का भी खतरा बना रहता है। फिर भी उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर हर कठिनाई को पार किया और समस्याओं का निराकरण करके अपनी दक्षता साबित की।

जंगल के बीच से विद्युत लाइनें गुजरी हुई हैं, जहां पेड़ गिरने से विद्युत अवरोध उत्पन्न हो जाता है परन्तु श्री वर्मा लाइनों का रखरखाव बेहतर रखते हैं, जिससे लाइन फाल्ट कम से कम आए। फाल्ट आने पर वे टीम को लीड करते हुए लाइन परिचारक, संविदा व बाह्य स्त्रोत कर्मचारियों की सहायता से उसे त्वरित गति से ठीक कर देते हैं। श्री वर्मा बताते हैं कि उनके क्षेत्र के कोदोमाली में 33 केवी लाइन में बारिश में समस्या आई थी, एक तरफ घनघोर बारिश और बाढ़ थी, दूसरी तरफ बिजली बंद। ऐसे कठिन परिस्थितियों में उन्होंने एक दूसरे का हाथ पकड़कर नदी पार किया और फाल्ट को ढूंढा। उसके बाद क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बहाल करने में सफलता मिली।

▪ **गोविंद पटेल**
प्रकाशन अधिकारी, रायपुर

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी : नया जिला

राजनांदगांव जिले से अलग होकर 02 सितम्बर सन् 2022 को नवीन जिला मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी के रूप में अस्तित्व में आया। मुख्यमंत्री मजराटोला योजना के तहत 113 अविद्युतीकृत ग्रामों के लिए 3 करोड़ 93 लाख की स्वीकृत राशि से 11 केवी एव निम्नदाब लाइन विस्तार के कार्यो को अतिशीघ्र पूर्ण कर 554 हितग्राहियों को नये विद्युत कनेक्शन प्रदाय करने का कार्य अनवरत जारी है।

ग्राम एकटकन्हार (मोहला) में स्थित 132/33 केवी अति उच्चदाब उपकेन्द्र में लगभग 5 करोड़ रुपए की लागत से 40 एमवीए के अतिरिक्त नये पॉवर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया। इस उपकेन्द्र की क्षमता बढ़कर 80 एमवीए हो गई है। पॉवर ट्रांसफार्मर के क्रियाशील से 33 केवी फीडरों मोहला, मानपुर एवं दिघवाड़ी अम्बागढ़ चौकी विकासखण्ड के 495 ग्रामों के लगभग 71 हजार उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

मोहला में विद्यमान 33/11 केव्ही उपकेन्द्र में 1.60 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि करते हुए 3.15 एमवीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर चार्ज किया गया। मोहला उपकेन्द्र की क्षमता बढ़कर 6.30 एमवीए हो गई है। 1 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से स्थापित नये 3.15 एमवीए के अतिक्ति पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से लगभग 24 ग्रामों के 2950 उपभोक्ताओं को उच्चगुणवत्ता का लाभ मिलेगा।

विकासखण्ड मोहला के ग्राम दिघवाड़ी में स्थापित 33/11 केवी उपकेन्द्र में नये 3.15 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर क्रियाशील किया गया। मोहला उपकेन्द्र की क्षमता बढ़कर 6.30 एमवीए हो गई है। 1 करोड़ 35 लाख रुपए की लागत से स्थापित नये पॉवर ट्रांसफार्मर से 32 ग्रामों के 2676 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। विकासखण्ड मानपुर के ग्राम सीतागांव में 3 करोड़ 36 लाख रुपए की लागत से 33/11 के.वी. उपकेन्द्र का निर्माण किया गया है। इस उपकेन्द्र में 01 नग 3.15 एम.वी.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है जिससे 11 के.वी. के 03 फीडर निकलते हैं। 23 ग्रामों के 3528 उपभोक्ताओं को लाभ मिला है।

ग्राम चिल्हाटी में स्थापित 33/11 केवी उपकेन्द्र में नये 5 एमवीए के अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर को ऊर्जीकृत किया गया। उपकेन्द्र की क्षमता बढ़कर 8.15 एमवीए हो गई है। ग्राम चिल्हाटी में विद्यमान 33/11 केवी उपकेन्द्र में 1 करोड़ 30 लाख रुपए की लागत से स्थापित नये 3.15 एमवीए का अतिक्ति पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से 26 ग्रामों के 3675 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

क्र.	विवरण	सितम्बर 2022	मार्च 2025
1	132/33 केवी उपकेन्द्र	01	01
2	132/33 केवी उपकेन्द्र क्षमता	40 एमवीए	80 एमवीए
3	33/11 केवी उपकेन्द्र	11	13
4	33 केवी लाईन	352 कि.मी.	377 कि.मी.
5	11 केवी लाईन	1880 कि.मी.	1977 कि.मी.
6	वितरण ट्रांसफार्मर की संख्या	2335 नग	3028 नग
7	वितरण ट्रांसफार्मर की क्षमता	56934 केवीए.	64975 केवीए.
8	विद्युतीकृत कृशि पंपों की संख्या	5457 नग	6760 नग
9	विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या	68967	71637

विकासखंड मानपुर के ग्राम भर्रीटोला (कहडबरी) में 4 करोड़ 32 लाख रुपए की लागत से 33/11 केवी उपकेन्द्र की प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इस उपकेन्द्र में 3.15 एमवीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाना है। इस उपकेंद्र से 3 नग 11 केवी फीडर बनाए जाएंगे जिससे 45 ग्रामों एवं 3280 विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ होगा। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना योजना के अंतर्गत कुमरदा, हाटबंजारी, गैंदाटोला, बांधाबाजार, अम्बागढ़ चौकी एवं चिल्हाटी क्षेत्र के निर्बाध बिजली आपूर्ति हेतु 3 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत से रिंग फारमेशन में डबल सप्लाई के लिए सिस्टम बनाया गया है।

पूर्व में बांधाबाजार उपकेन्द्र के लिए विद्युत सप्लाई की व्यवस्था कुमरदा 33 केवी फीडर से की जाती थी। कुमरदा, हाटबंजारी, गैंदाटोला, बांधाबाजार, अम्बागढ़ चौकी एवं चिल्हाटी में स्थित 33/11 केवी उपकेन्द्रों में 33 केवी विद्युत लाइनों में डबल सप्लाई की विद्युत व्यवस्था को दुरूस्त करने की दृष्टि से अमलीडीह डोंगरगांव 132/33 केवी उच्चदाब उपकेन्द्र से डोंगरगांव-कुमरदा-बांधाबाजार 27 किमी 33 केवी की नई लाइन के निर्माण एवं मोंगरा बैराज-चिल्हाटी 10 कि.मी. 33 केवी नई लाइन के निर्माण से रिंग फारमेशन में डबल सप्लाई की विद्युत व्यवस्था मजबूत हुई है। 42 हजार उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिल रहा है।

अम्बागढ़ चौकी, चिल्हाटी क्षेत्र के लिए विद्युत प्रदाय व्यवस्था मोहला के एकटकन्हार स्थित 132/33 केवी उच्चदाब उपकेन्द्र एवं अमलीडीह डोंगरगांव 132/33 केवी उच्चदाब उपकेन्द्र दोनों से हैं। जिससे यदि एक तरफ 33 केवी लाइन में ब्रेकडाउन की समस्या उत्पन्न होती है, तो उससे दूसरी तरफ से मिली डबल विद्युत सप्लाई व्यवस्था से बहाल कर सकते हैं।

बांधाबाजार, चिल्हाटी, मोहला, दिघवाड़ी में स्थापित पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि की जा रही है। डुमरटोला, कौड़ीकसा एवं खड़गांव उपकेन्द्र में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना की जा रही है। 17 नग अविद्युतीकृत ग्रामों के विद्युतीकरण हेतु विद्युतीकरण कार्य प्रारंभ कर लिया गया है, जिसकी लागत 7.86 करोड़ रुपए है। ब्लॉक अंबागढ़ चौकी में लो-वोल्टेज समस्या निवारण हेतु पृथक 33 केवी उच्च दाब लाइन 36 कि.मी. लागत 3.21 करोड़ रुपए स्वीकृत की गई। 113 नग अविद्युतीकृत मजराटोला के विद्युतीकरण हेतु 3.93 करोड़ राशि स्वीकृत की गई है एवं जिसका निर्माण कार्य प्रगति पर है।

▪ **धर्मेद्र मंडावी**
सहायक प्रकाशन अधिकारी, राजनांदगांव

आपदा प्रबंधन की नई मिसाल

तीन दिन के काम को 24 घंटे में पूरा कर विद्युत आपूर्ति बहाल

ट्रक की ठोकर से हाईटेंशन 132 केवी बिजली टॉवर हुआ था क्षतिग्रस्त



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने 132 केवी के 100 फीट से अधिक ऊंचाई की दुर्घटनाग्रस्त हाईटेंशन टॉवर लाइन को रिकार्ड समय में खड़ा कर विद्युत आपूर्ति सामान्य करने में सफलता प्राप्त की है। आमतौर पर ऐसे टॉवर को खड़ा करने में तीन दिन का समय लगता है, जिसे ट्रांसमिशन कंपनी की टीम ने तकनीकी दक्षता और कार्यकुशलता का परिचय देते हुए 24 घंटे में पूरा कर लिया। इस उपलब्धि के लिए ट्रांसमिशन कंपनी के अध्यक्ष श्री सुबोध सिंह एवं प्रबंध निदेशक श्री आरके शुक्ला ने टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

बरबंदा गांव रायपुर के पास 25 मार्च को दोपहर 2.17 बजे रिंग रोड नंबर तीन (जोरा-सड्डू-धनेली) से जा रही एक मालवाहक ट्रक अनियंत्रित हो गई। धान से लदा यह ट्रक 132 केवी के हाईटेंशन टॉवर से जा टकराई, जिससे 32 मीटर ऊंचा टॉवर गिर गया और इसमें लगी डबल सर्किट लाइन टूटकर रिंगरोड पर गिर गई। इस घटना में किसी तरह की जान-माल का नुकसान नहीं हुआ परन्तु राजधानी के एक बड़े इलाके में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। साथ ही रिंगरोड में तार गिरने से यातायात भी अवरूद्ध हो गया। ट्रांसमिशन कंपनी ने यातायात पुलिस के साथ मिलकर ट्रैफिक को डायवर्ट किया और इंजीनियरों और कर्मियों की टीम ने सड़क से उलझे हुए तारों को हटाकर फिर सड़क यातायात शुरू करवाया। इधर विधानसभा से लेकर अंबूजा मॉल, दलदल सिवनी, कचना, आमासिवनी क्षेत्र में कुछ देर के लिए बिजली आपूर्ति बंद हो गई।

राजधानी के हॉस्पिटल, स्कूल, वीआईपी इलाके व जनसामान्य के लिए विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता को देखते हुए वैकल्पिक व्यवस्था की गई, क्योंकि 132 केवी डबल सर्किट लाइन टूट गई थी, जिसे बनाने में काफी समय लगने की आशंका थी, इसलिए ट्रांसमिशन कंपनी ने महासमुंद के परसवानी क्षेत्र से 132 केवी लाइन से विद्युत आपूर्ति आरंभ की। इधर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने भी लोड मैनेज करने के लिए त्वरित गति से कार्य किया और उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति जारी की।

इस दौरान क्षतिग्रस्त टॉवर को ठीक करने के लिए ट्रांसमिशन कंपनी की टीम मौके पर रवाना हो गई। दूसरी टीम टॉवर खड़ा करने की सामग्री लेने भिलाई स्टोर भेजी गई। सबसे पहले टॉवर का फाउंडेशन तैयार किया गया और एंगल को जोड़-जोड़कर टॉवर को तैयार किया गया। इसमें क्रेन (हाइड्रा) की भी सहायता ली गई और 24 घंटे के भीतर ट्रांसमिशन कंपनी की टीम ने अपनी तकनीकी दक्षता और कुशल प्रबंधन से टॉवर को खड़ा करने में सफलता प्राप्त की। इस तरह चौतरफा समन्वित प्रयासों का सकारात्मक परिणाम देखने को मिला। इस कार्य में अधीक्षण अभियंता श्री वीए देशमुख, कार्यपालन अभियंता सर्वश्री यूके यादव, सूचेन्द्र उइके, सहायक अभियंता सर्वश्री अनिल द्विवेदी, श्री हेम कैलाश साहू, प्रदीप तिवारी, सुरेश वर्मा सहित तकनीकी कर्मचारियों ने उत्कृष्ट योगदान दिया।



चंद घंटों में नया 33 केवी पोल खड़ा कर बिजली आपूर्ति बहाल

सड़क चिरचारी जंगल में 33 केवी पोल एवं लाइन, हाइवा से हुई थी दुर्घटनाग्रस्त

राजनांदगांव जिला मुख्यालय से 55 किलोमीटर दूर सड़क चिरचारी के समीप जंगल में 33 केवी पोल एवं लाइन को लगभग शाम 7.15 बजे हाइवा वाहन के द्वारा दुर्घटनाग्रस्त करते हुए तोड़ दिया गया, जिससे सडक चिरचारी एवं कोठीटोला उपकेन्द्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई, खबर मिलते ही कार्यपालन अभियंता श्री एन. के. साहू ने मोर्चा संभाला और पूरी टीम के साथ नये 33 केवी पोल को स्ट्रक्चर सहित खड़ा करते हुए नया इन्सुलेटर एवं लाइन को त्वरित गति से दुरूस्त करते हुए रात 12.45 बजे तक सुधारकर उपभोक्ताओं तक विद्युत आपूर्ति बहाल की। नया पोल रात में ले जाकर गड्ढा खोदकर पोल खड़ा करके कांक्रीट से जामकर नया वीक्रास आर्म एवं 3 नग पिन इन्सुलेटर लगाकर रात 12.45 बजे तक सड़क चिरचारी एवं कोठीटोला क्षेत्र में बिजली सप्लाई सुचारू हो गई और उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली। विद्युत अमले की समर्पण एवं जीवटता ने सडक चिरचारी एवं कोठीटोला उपकेन्द्र से संबधित लगभग 12 हजार उपभोक्ताओं के चेहरों में सुकून एवं मुस्कान ला दी। पॉवर कंपनी के अध्यक्ष श्री सुबोध सिंह ने इस कार्य को प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने विकट पारिस्थितियों की चुनौतियों का सामना कर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने वाले विद्युतकर्मियों की सराहना की है। डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने भी कर्मियों के साहस और समर्पण की प्रशंसा की है और धन्यवाद प्रेषित किया है।

अंतर्राज्यीय पारेषण तंत्र विस्तार की ऊंची छलांग

राजिम-कुरूद क्षेत्र में 34 कि.मी लाइन, 220 केवी उपकेंद्र, 2 पॉवर बे क्रियाशील



मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनीज के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह के मार्गदर्शन में राजिम-कुरूद क्षेत्र में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा 70 करोड़ रुपए लागत से निर्मित 220 केवी उपकेंद्र राजिम, कुरूद से राजिम 220 केवी लाइन तथा कुरूद उपकेंद्र में 2 पॉवर बे को प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा 25 फरवरी को ऊर्जीकृत किया गया। इस कार्य से गर्मी के मौसम में किसानों तथा अन्य उपभोक्ताओं को बहुत राहत मिलेगी।

राजिम में पूर्व में 132 केवी का उपकेंद्र था। जिसे परसवानी जिला महासमुंद तथा गुरूर जिला बालोद से विद्युत आपूर्ति होती थी। यह अधोसंरचना नहीं होने के कारण राजिम, अभनपुर, छुरा, गरियाबंद, कुरूद क्षेत्रों में लो-वोल्टेज जैसी समस्या थी। जिसके समाधान के लिए राजिम के 132 केवी उपकेंद्र का उन्नयन 220 केवी उपकेंद्र के रूप में करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा कुरूद से राजिम के बीच 220 केवी क्षमता की 34 कि.मी लंबी डबल सर्किट लाइन की आवश्यकता थी। जून 2024 में यह कार्य अति उच्चदाब निर्माण वृत्त एवं संभाग के अंतर्गत विभागीय तौर पर प्रारंभ किया गया। यह कार्य समय-सीमा पर पूर्ण किया जाना था ताकि गर्मी के मौसम में इस अंचल के लोगों को इसका लाभ मिल सके। उपकेंद्र का निर्माण तथा 160 एमवीए ट्रांसफॉर्मर की स्थापना 30 करोड़ रुपए की लागत से, डबल सर्किट लाइन की स्थापना 30 करोड़ रुपए की लागत से तथा पॉवर बे की स्थापना 10 करोड़ रुपए की लागत से की गई। इस अवसर पर एमडी ट्रांसमिशन श्री राजेश कुमार शुक्ला ने समय-सीमा पर विभागीय तौर पर कार्य संपादित करने के लिए अधिकारियों तथा कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने आशा प्रकट की कि इन कार्यों से एक लाख से अधिक क्षेत्रीय किसानों तथा अन्य उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। अंचल में लो-वोल्टेज सहित अन्य समस्याओं का हल होगा। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, श्री केएस मनोठिया, श्री एमएस चौहान, श्री जी. आनंद राव, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती चंद्रकला गिडवानी, श्री आरके राठौर, अधीक्षण यंत्रीगण श्री विश्वास अरविंद देशमुख, श्री अशोक खण्डेलवाल, श्री आरके तिवारी, श्री करूणेश यादव, कार्यपालन यंत्री श्री यूके यादव तथा सुश्री इंदु ठाकुर उपस्थित थे।

थुहा (कुरूद) उपकेन्द्र में 315 एमवीए का ट्रांसफॉर्मर ऊर्जीकृत

अंतर्राज्यीय पारेषण प्रणाली के विस्तार के अभियान में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी को एक बड़ी उपलब्धि मिली जब थुहा (कुरूद) के 400 केवी उपकेंद्र में 315 एमवीए का विशाल ट्रांसफॉर्मर ऊर्जीकृत किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री सुबोध कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 27 मार्च को प्रबंध निदेशक छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी श्री आरके शुक्ला द्वारा इस वृहद ट्रांसफॉर्मर का ऊर्जीकरण किया गया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा दूसरे राज्यों से बिजली प्राप्त करने के लिए 6 हजार मेगावॉट क्षमता की पारेषण प्रणाली को विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसके अंतर्गत प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर पारेषण लाइनों-उपकेंद्रों की स्थापना, नए वृहद ट्रांसफॉर्मरों की स्थापना व क्षमता वृद्धि जैसे अनेक कार्य किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ की पूंजीगत व्यय के अधीन कुरूद तहसील के ग्राम थुहा स्थित 400/220 केवी उपकेन्द्र में अतिरिक्त 315 एमवीए विशाल ट्रांसफॉर्मर की तीसरी इकाई की स्थापना 39 करोड रुपए की लागत से की गई है।

नये ट्रांसफॉर्मर के चालू होने से 400 केवी कुरूद (थुहा) उपकेन्द्र की कुल क्षमता अब 915 एमवीए हो गयी है एवं प्रदेश में ट्रांसमिशन कंपनी में 400 केवी उपकेन्द्र की क्षमता 3150 एमवीए से बढ़कर 3465 एमवीए हो गई है।

उपकेन्द्र की इस क्षमता वृद्धि का लाभ एक ओर राजिम, पाटन, गुरूर (बालोद), महासमुंद (परसवानी) स्थित 220 केवी उपकेन्द्रों से आपूर्ति प्राप्त कर रहे सभी श्रेणी के ग्रामीण एवं शहरी विद्युत उपभोक्ताओं को



गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति के रूप में होगा। वहीं दूसरी ओर इससे राज्य को केन्द्रीय उपक्रम के कोटे से आबंटित बिजली की अधिक मात्रा प्राप्त करने में सुविधा होगी।

इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, श्री के.एस. मनोठिया, श्रीमती ज्योति नंनौरे एवं मुख्य अभियंता श्री वीके दीक्षित, श्रीमती शारदा सोनवानी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री प्रसन्ना गोसावी, श्री आरके राठौर, अधीक्षण अभियंता श्री वीए देशमुख, श्री संजय शर्मा, श्री करूणेश यादव, कार्यपालन अभियंता श्री उमाकांत यादव, श्री प्रत्युष अग्रवाल सहित संबंधित मैदानी अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि कुरूद (थुहा) 400 केवी उपकेन्द्र से हाल ही में राजिम स्थित 220 केवी उपकेन्द्र हेतु नई लाइन भी ऊर्जीकृत की गई है। यह कार्य टर्न-की संस्था मेसर्स कल्पतरू पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, गांधी नगर गुजरात द्वारा संपन्न किया गया।

पॉवर कंपनियों में 213 पदोन्नतियां

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज में बीते तीन महीने में 213 अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति आदेश जारी किये गए हैं। इसमें प्रथम एवं व्दितीय वर्ग के 13 अधिकारी तथा तृतीय व चतुर्थ वर्ग के 200 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। कंपनी प्रबंधन ने क्षेत्रीय कार्यालयों को भी निर्देश दिए हैं कि पात्रतानुसार विद्युत कर्मियों के पदोन्नति आदेश शीघ्र जारी किये जाएं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्षव्दय श्री सुबोध कुमार सिंह एवं डॉ. रोहित यादव तथा प्रबंध निदेशक श्री आरके शुक्ला, श्री भीमसिंह कंवर एवं श्री एसके कटियार ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने पदोन्नत अधिकारी-कर्मचारियों को आह्वान किया है कि वे अपनी पूरी क्षमता, लगन और निष्ठा के साथ प्रदेश के विद्युत विकास में अपनी भागीदारी दें। समर्पण के साथ उपभोक्ताओं को संतुष्ट करें। उन्होंने कहा कि पॉवर कंपनी अपने कर्मियों के सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्पित है। इसी दिशा में उन्हें स्वास्थ्य सुरक्षा से लेकर सम्मान और पदोन्नति जैसे अवसर पूरी पारदर्शिता के साथ प्रदान किए जाते हैं। उन्होंने तीनों कंपनी के मानव संसाधन विभाग और क्षेत्रीय कार्यालयों को पदोन्नति के कार्य को तीव्र गति से पूरा करने पर बधाई दी और उम्मीद जताई की बचे हुए पदों पर भी शीघ्र पदोन्नति प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग से सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, मुख्य अभियंता और कार्यपालक निदेशक के पदोन्नति आदेश जारी किये जाते हैं, जिनमें अभियंता (कॉमन) कैडर के ट्रांसमिशन-डिस्ट्रीब्यूशन व सिविल संकाय के 11 अधिकारियों के पदोन्नति आदेश जारी किये गए हैं। इसमें कार्यपालक निदेशक के तीन व मुख्य अभियंता के पांच तथा अधीक्षण अभियंता के तीन अधिकारियों को पदोन्नति प्राप्त हुई है। जनरेशन कंपनी से दो मुख्य अभियंताओं को कार्यपालक निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है। इसी तरह तृतीय व चतुर्थ वर्ग की पदोन्नति तीनों कंपनी के मानव संसाधन विंग के अलावा क्षेत्रीय कार्यालय से किया जाता है। इसमें तृतीय व चतुर्थ वर्ग के सबसे अधिक 200 कर्मियों को पदोन्नति प्रदान की गई है। ट्रांसमिशन कंपनी लाइन अटेंडेंट ग्रेड एक के पद पर 22, टेस्टिंग अटेडेंट ग्रेड-एक पर 48 तथा ऑफिस अटेंडेस एवंदफ्तरी के एक-एक पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है। वहीं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी मुख्यालय में सेक्शन ऑफिसर के पद पर 28 कर्मियों को पदोन्नत किया गया है। इसी तरह डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में लाइन अटेंडेंट एक के पद पर राजनांदगांव रीजन में 13 व दुर्ग रीजन में 19 कर्मियों की पदोन्नति की गई है। लाइन असिस्टेंट ग्रेड दो के पद पर राजनांदगांव में 48 कर्मियों को पदोन्नति प्रदान की गई है।

बिजली घर परिसरों की एकजुटता से आनंदमय हुआ मेला



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के अन्तर्गत अलग-अलग स्थानों पर संचालित सभी बिजली घरों के अधिकारी-कर्मचारी और उनके परिवाजन एक जगह एकत्र होकर साथ-साथ खाएं-पिएं-खेलें-कूदें ऐसा कहने में तो बहुत आनंद की अनुभूति होती है, लेकिन क्या यह सचमुच संभव है? क्या आज के युग में काम की अधिकता और जटिलता के बीच ऐसे अवसर बन सकते हैं? यदि इस परिकल्पना पर विश्वास करना चाहते हो तो जानना होगा डॉ0 श्यामाप्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व की एक शाम के बारे में, जिसे संजोया था प्रेरणा महिला मंडल ने!

ऐसे सुनहरे मौके पर जनरेशन कंपनी के मुखिया अर्थात प्रबंध निदेशक श्री एस.के.कटियार और उनकी धर्मपत्नी स्वयं उपस्थित हों तो परिवार की संपूर्णता देखने की बनती है। इस आनंद मेले का आयोजन प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता बंजारा के नेतृत्व में किया गया था, जिसमें उपस्थिति का न्यौता हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम, अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह, मड़वा में संचालित महिला मंडलों की अध्यक्षाओं को भी भेजा गया था। इन तीनों विद्युत गृहों के प्रमुखों के साथ, संबद्ध संस्थाओं को भी आमंत्रित किया गया था।

आयोजन की खूबसूरती भी यही थी कि इस आनंद मेला में प्रबंध निदेशक श्री एस.के.कटियार, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा कटियार ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रशिक्षण संस्था के कार्यपालक निदेशक श्री एस.के. बंजारा, डी.एस.पी.एम. के मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल, एचटीपीएस. के मुख्य अभियंता श्री प्रवीण श्रीवास्तव, एवीबीटीपीएस. के मुख्य अभियंता श्री एच.एन. कोसरिया शामिल हुए। प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा तो मेजबान की भूमिका में थीं ही, संकल्प महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती रूबी श्रीवास्तव, आकृति महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती शशि कोसरिया भी इस आयोजन में शरीक हुईं। कटियार दंपति का स्वागत मेजबान महिला मंडल की अध्यक्षा द्वय श्रीमती निवेदिता बंजारा और श्रीमती अल्का कंसल ने किया। आनंद मेला में स्वाद के साथ संगीत और मनोरंजक स्टालों का समायोजन बहुत ही मनभावन तरीके से किया गया था।

प्रबंध निदेशक श्री एस. के. कटियार और श्रीमती कटियार ने अपने उद्बोधन में इस एकजुटता की सराहना करते हुए कहा कि अपने निर्धारित कार्यालयीन दायित्वों के निर्वहन के साथ आपसी संबंध और मेलजोल को मजबूत करने से ही हमारा जीवन सार्थक होता है। अतः अपने दफ्तरों और शहरों की दूरियों को भुलाकर आपसी प्रेम और सौहार्द बनाने के लिए यह आयोजन मील का पत्थर बनेगा। इस अवसर पर श्रीमती अल्का बंसल ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में बताते हुए प्रेरणा महिला मंडल की सफलता एवं उपलब्धियों को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्रीमती प्रियंका सूर्यवंशी, श्रीमति मालती जोशी, श्रीमति विभा करनाल, श्रीमती रश्मि सेन चौधरी, श्रीमती अनु सरना, सचिव श्रीमती अनिता टण्डन सहित कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती अल्का मानिक, श्रीमती साधना सोनी, श्रीमती उत्तरा ठाकुर, श्रीमती सीमा राजपूत, श्रीमती अनामिका गुप्ता, श्रीमती निशा गोठी, श्रीमती अंजना मण्डलोई आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मंच का संचालन श्री बंसत राणा, श्री ए.एस.तोमर एवं श्रीमती स्मृति राठौर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। आभार प्रदर्शन सचिव श्रीमती अनिता टण्डन द्वारा किया गया।



POWER SECTOR ROUND UP 6

Vinay Pandey
S.E. CSPGCL
Raipur

Break Through

- On 11th April CEA launched a new indigenously. An indigenously developed Integrated Generation, Transmission and Storage Expansion Planning Model with Demand Response – a vital Resource Adequacy Tool, "STELLAR". It will be granted to all the States/ Discoms free of cost. It will helps discoms to figure out how much power they'll need in the future, where it should come from, where to store it, and how to balance supply and demand without wasting money or causing blackouts.
- On 5th April, India and Sri Lanka signed a MoU to build a 285 km HVDC transmission system, including 50 km of submarine cables beneath the Palk Strait. It will connect Madurai in TN with Anuradhapura in north-central Sri Lanka. The total estimated cost of the project is 9,900 crore and implementation will be jointly handled by PGCIL and Ceylon Electricity Board (CEB).
- In a first by any state Genco, on 11th, Maha-Genco signed MoU with Russia's state-owned company ROSATOM with the objectives of development of a Small Modular Reactor based on thorium fuel, commercialise thorium reactors as per safety standards of Atomic Energy Regulatory Board (AERB) and establish an assembly line for thorium reactors under the 'Make in Maharashtra' initiative.

Policy

- On 8th April MoP issued Draft Amendment to Rule 4 of Electricity Distribution (Accounts and Additional Disclosure) Rules 2024 with just one week time to stakeholders to submit their comments.
- On 1st April CEA has clarified that the mandate requiring REIAs and state utilities to incorporate a minimum of 2 hr co-located ESS, equivalent to 10% of the installed solar project capacity, is applicable only to future projects. Ongoing govt schemes including PM Sury Ghar Yojana will continue to be governed by existing provisions.
- On 3rs April MoP has issued Amendment in Standard Bidding Documents for procurement of Inter-State Transmission Services through TBCB process. Earlier on 21st March MoP has also issued Supplementary Guidelines for payment of compensation in regard to Right of Way (RoW) for transmission. On 28th March MoP has also issued Draft Amendment in Electricity (Transmission System
- Planning, Development and Recovery of Inter State Transmission Charges) Rules, 2021, with 30 days period for comments.
- MoP has issued a draft amendment to the Renewable Consumption Obligation (RCO) framework under the Energy Conservation Act, 2001. It proposes stricter compliance, flexibility in renewable sourcing, and penalties for violations. Stakeholders can submit feedback by April 18.

Legal / Regulatory

- In an important judgement Supreme Court has upheld RERC Open Access Regulations 2016 restrictions and conditions on the exercise of open access for captive power plants and other large consumers. Court held that open access remains available to consumers who comply with regulatory prerequisites, including scheduling obligations and financial commitments.

Commercial

- On 14th April Prime Minister declared start of construction activities for 800 MW Ultra Super Critical Uni unit at 2X300 MW Deenbandhu Chhotu Ram Thermal Power Plant of HPGCL. The EPC contract for BTG has been issued to BHEL at the cost of about of which is likely to completed within 48-57 months.
- On 15th April in an exchange filing Adani Green Energy Ltd reported a 30% year-on-year growth to 14243 MW in its RE capacity during FY 25. Energy sales increased to 27,969 MUs in FY25 from 21,878 MUs in FY 24.

Achievements

- During FY 25, CEA cleared record 6 DPRs for Pump Storage schemes totalling about 7.5 GW. These are Upper Indravati (600 MW) in Odisha; Sharavathy (2,000 MW) in Karnataka; Bhivpuri (1,000 MW) in Maharashtra; Bhavali (1,500
- MW) in Maharashtra MP-30 (1,920 MW) in MP & Chitravathi (500 MW) in AP.
- As per sixth edition of Ember's Global Energy Review report released on 8th April, India became the world's third-largest producer of electricity from wind and solar energy in 2024, overtaking Germany.
- As per Ministry of Coal, production from captive & commercial mines increased by 29.79% to 190.95 MMT in FY 25 from 147.12 MMT in previous fiscal.



डंगनिया रायपुर औषधालय

> छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनीज़ के मुख्यालय डंगनिया, रायपुर में स्थित औषधालय प्रदेश के समस्त विद्युत कर्मियों की आशा का केन्द्र है। यहां समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, पेंशनर्स और उनके परिवारजनों को चिकित्सा सुविधा दी जाती है। कम्पनी प्रबंधन द्वारा चिकित्सा सेवा को उच्च प्राथमिकता देने के कारण न सिर्फ हमारे औषधालय में बल्कि राज्य के भीतर और बाहर स्थित प्रसिद्ध चिकित्सालयों से अनुबंध के आधार पर भी चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आपातस्थिति एवं प्रतिपूर्ति कार्यों का त्वरित या न्यूनतम संभव समय में निदान किया जाता है। मुझे विश्वास है कि प्रबंधन के मार्गदर्शन एवं सहयोग से चिकित्सा सुविधा को बेहतर बनाने का सिलसिला लगातार जारी रहेगा।
>
> 
>
> ▪ **डॉ एचएल पंचारी**
> मुख्य चिकित्सा अधिकारी

15 अगस्त का दिन भारत के इतिहास में स्वतंत्रता दिवस के रूप में विशेष महत्व रखता है। वर्ष 2003 में, इसी दिन छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल मुख्यालय परिसर में एक औषधालय की स्थापना हुई ।

स्थापना का उदेश्य - छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के गठन के बाद मुख्यालय परिसर में कर्मचारियों की अधिक संख्या को देखते हुए चिकित्सा सुविधा देने के लिए डंगनिया परिसर में औषधालय की आवश्यकता थी। जिससे सेवारत कर्मचारियों के साथ सेवानिवृत्तजनों एवं छत्तीसगढ़ के अन्य क्षेत्र के कर्मियों को भी चिकित्सा सुविधा का लाभ मिल सके।

औषधालय में कर्मचारी - 15 अगस्त 2003 को डॉ. अशोक पेंडारकर (सेवानिवृत्त-वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी), श्री मूल सजीवन शर्मा (सेवानिवृत्त-फार्मासिस्ट) एवं श्रीमती दयावती शर्मा (सेवानिवृत्त-ए.एन.एम.) मात्र एक डॉक्टर एवं दो स्टाफ से औषधालय की शुरूवात हुई थी। 2004 में डॉ. कुलदीप सिंह छाबड़ा (सेवानिवृत्त-अति.मुख्य चिकित्सा अधिकारी) की पद स्थापना हुई एवं 2005 में कार्यालयीन कर्मचारी के रूप में श्री निसार अहमद शेख (सेवानिवृत्त-कार्यालय सहायक श्रेणी-दो) की नियुक्ति हुई। वर्तमान में डॉ. एच.एल. पंचारी (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), डॉ. निलेश कुमार सिंह (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के साथ अति.मुख्य चिकित्सा अधिकारी का प्रभार), डॉ. इंदू साहू (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) एवं डॉ. श्वेता जैन (चिकित्सा अधिकारी) है। पैरामेडिकल स्टॉफ में श्रीमती अनिता डूमरे (ए.एन.एम.), श्री एच.एल. टंडन (फार्मासिस्ट), श्रीमती नारायणी बाई निषाद (भृत्य) के साथ बाह्यस्रोत कर्मचारी है। कार्यालयीन स्टॉफ में यामिनी छत्री, बरखा पाण्डेय के साथ बाह्यस्रोत कर्मचारियों के साथ औषधालय का संचालन सुचारू रूप से चल रहा है।

अभाव से सुसज्जित अस्पताल तक- जब औषधालय अस्तित्व में आया तब किसी भी प्रकार की कोई सुविधा नहीं थी। कार्यालयीन स्टाफ नहीं होने के कारण श्री मूल सजीवन शर्मा (सेवानिवृत्त-फार्मासिस्ट) द्वारा ही कार्यालयीन कार्यों का सम्पादन होता था। औषधालय में दवाई गुढ़ियारी औषधालय से

प्राप्त होती थी। औषधालय के लिए सिर्फ एक क्वार्टर ही आबंटित हुआ था जो कि बिल्डिंग का एक चौथाई हिस्सा था। इस कारण जगह की बहुत कमी थी जिसमें हॉल में डॉक्टर बैठते थे एवं एक रूम में औषधि वितरण का कार्य एवं इंजेक्शन रूम बनाया गया था। किचन में ड्रेसिंग कार्य किया जाता था। बिल्डिंग के बाकी क्वार्टर पर फैमिली वाले एवं आर.ए.ओ. कार्यालय था। आज औषधालय का रूप पूरी तरह से आधुनिक हो चुका है। सभी डॉक्टरों के लिए चेम्बर है। मरहम पट्टी के लिए ड्रेसिंग रूम की सुविधा, औषधि वितरण के लिए रूम की सुविधा, औषद्यि के लिए स्टोर की सुविधा, रक्त जॉच के लिए लैब की सुविधा एवं इंजेक्शन एवं ड्रिप लगाने के लिए वार्ड की सुविधा है। किसी भी कर्मचारी के अचानक स्वास्थ्य खराब होने की स्थिति में एम्बुलेंस की सुविधा है।

औषधालय के अन्य महत्वपूर्ण कार्य - डंगनिया औषधालय कर्मचारियों/अधिकारियों को अच्छी चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए अपने कार्य प्रणाली में निरंतर सुधार करते रहा है।

प्रबंधन द्वारा अच्छी चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश निम्नानुसार हैः

- इस औषधालय का संचालन छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रशासनिक नियंत्रण में किया जाता है।
- मुख्यालय में होने के कारण केन्द्रीय कार्यालयों के साथ अन्य कार्यालयों के विद्युत कर्मियों को भी इसका लाभ मिलता है।
- रायपुर के बाहर के विद्युत कर्मी यदि इस मुख्यालय स्थित औषधालय में उपचार या दवा लेने के लिए आते है, तो उनकी सेवा के लिए यह औषधालय तत्पर रहता है।
- कर्मचारियों को अच्छी चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्य शहरों के लगभग 213 अच्छे अस्पतालों से अनुबंध Empanelled किया गया है साथ ही छत्तीसगढ़ के बाहर दूसरे राज्य के बड़े विभिन्न स्वास्थ्य अस्पताल से भी अनुबंध किया गया है।
- कर्मचारियों/अधिकारियों के लिए शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। शिविर में आंखों की जॉच, दांत की जॉच, मधुमेह, ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, कोलेस्ट्रॉल आदि के संबंध में विशेषज्ञों द्वारा जॉच की जाती है एवं अच्छे स्वास्थ्य के लिए जागरूक रहने की सलाह भी दी जाती है।



प्रज्ञा पटेल

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (लाइन) श्री संजय पटेल की सुपुत्री कु. प्रज्ञा पटेल फ्लूएड साईंस एंड इंजीनियरिंग विषय पर ईटीएच ज्यूरिख (स्विटजरलैंड) से पीएचडी कर रही हैं। उन्होंने अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी द्वारा आयोजित 77 वें अधिवेशन, साल्ट लेक सिटी (यूएसए) में दो रिसर्च पेपर एयरोस्पेस और सेटेलाइट से संबंधित विषयों पर प्रस्तुत किया। जिसमें राकेट को तेजी से भेजने पर वायु में मौजूद कणों से सेटेलाइट को होने वाली क्षति से बचाने के लिए अध्ययन किया जाता है। रिसर्च पेपर को वैज्ञानिकों ने खूब सराहा। उन्होंने कानपुर आईआईटी से 2021 में बी.टेक एवं 2022 में एम.टेक की उपाधि अर्जित की है। उसके बाद उनका चयन स्विटजरलैंड की यूनिवर्सिटी में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा डीपीएस भिलाई से हुई है।



अक्षिता वर्मा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती रश्मि वर्मा एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री प्रदीप कुमार वर्मा की कनिष्ठ पुत्री डॉ. अक्षिता वर्मा ने नीट पी.जी में ऑलइंडिया रैंक 4220 प्राप्त कर, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सीआइएमएस बिलासपुर में एमडी मेडिसिन में प्रवेश प्राप्त किया है।

उल्लेखनीय है कि वर्मा दंपति की दोनों बेटियां होनहार और कुशाग्रबुद्धि संपन्न हैं। दोनों ने अपनी स्कूली पढ़ाई भी प्रावीण्यता के साथ पूर्ण की तथा दोनों ने अपने भावी जीवन और कॅरियर के रूप में चिकित्सा क्षेत्र का चयन किया है। वर्मा दंपति की ज्येष्ठ पुत्री डॉ. कृतिका वर्मा सिंह ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय रायपुर से ऑब्स्ट्रेटिक्स एण्ड गायनिक (स्त्री रोग एवं प्रसूति) से एमडी किया है।



गुंजेश तामले

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में कार्यपालन अभियंता नगर संभाग दो नेहरू नगर बिलासपुर में कनिष्ठ अभियंता के पद पर पदस्थ श्री जगरत राम तामले के सुपुत्र श्री गुंजेश तामले का जेईई में 99.67 परसेंटाइल के साथ चयन हुआ है। वे कृष्णा पब्लिक स्कूल में 12 कक्षा में अध्ययनरत हैं और बोर्ड परीक्षा के साथ जेईई की तैयारी कर रहे थे।



ओजस भारती

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर उत्पादन कंपनी के संचार उत्पादन कार्यालय रायपुर मुख्यालय में पदस्थ अधीक्षण अभियंता श्रीमती कविता योगेंद्र भारती के पुत्र ओजस भारती ने 18 जनवरी को आयोजित स्टेट ओपन कराटे चैंपियनशिप 2025 में सब जूनियर ग्रुप के 25 किलो के अंतर्गत काटा और कुमेटी फाइट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अर्जित किया। ओजस तीसरी कक्षा में अध्ययनरत हैं। अगस्त 2024 में इंदौर में आयोजित बेस्ट जॉन कराटे चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक हासिल कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित हुए।

अनवरत विद्युत विकास



एकटकन्हार में 40 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर

ग्राम एकटकन्हार (मोहला) में स्थित 132/33 केवी अतिरिक्त उच्चदाब उपकेन्द्र में लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से 40 एमवीए के अतिरिक्त नये पॉवर ट्रांसफार्मर को ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा 24 मार्च को ऊर्जीकृत किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सबस्टेशन श्री आनंद राव, श्री संजय पटेल, राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट, अधीक्षण अभियंता श्री पी.पी. सिंह, श्री शंकेश्वर कंवर, श्री सुनील कुमार भुआर्य, कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. रामटेके, श्री वीरेन्द्र कुमार, श्री एम. आर. सिरके, श्रीमती रूबी चन्द्राकर, सहायक अभियंता श्री भूषण वर्मा, श्री प्रवीण शुक्ला, श्री शिरीष मिलिंद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस उपकेन्द्र की क्षमता 40 एम.व्ही.ए से बढ़कर इस उपकेन्द्र के 495 ग्रामों के लगभग 71 हजार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी।

» कुष्टिकुर, जगदलपुर



ग्राम कुष्टिकुर में 33/11 केवी उच्चदाब विद्युत उपकेन्द्र को कार्यपालक निदेशक, श्री एस.के. ठाकुर द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस उपकेन्द्र की लागत 2 करोड़ 25 लाख रुपए है, जिसकी क्षमता 3.15 एमवीए होगी, जिससे 18 ग्रामों में 2955 विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर कांकेर वृत्त के अधीक्षण अभियंता श्री सीएच मरकाम, कार्यपालन अभियंता श्री एसके किण्डो, श्री शशांक श्रीवास्तव, श्री आरके बांसकर, श्री बीआर राजपूत, श्री आरएस प्रेमी, श्री एफआर तिग्गा, श्री प्रणीत किरण उपस्थित थे।

» जुनवानी, जगदलपुर

ग्राम जुनवानी में नवनिर्मित 33/11 केवी उच्चदाब विद्युत उपकेन्द्र को कार्यपालक निदेशक, श्री एस.के ठाकुर द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। उपकेन्द्र की लागत 348.66 लाख रुपये एवं क्षमता 3.15 एमवीए होगी। इससे 08 ग्रामों में 2138 विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर कांकेर वृत्त के अधीक्षण अभियंता सर्वश्री एच मरकाम, कार्यपालन अभियंता एसके किण्डो, शशांक श्रीवास्तव, आरके बांसकर, बीआर राजपूत, आरएस प्रेमी, एफआर तिग्गा, प्रणीत किरण, सहायक अभियंता वेद प्रकाश कनौजे एवं सुश्री गंगा मरकाम उपस्थित थे।



» लाफा, पाली

पाली तानाखार क्षेत्र पाली ब्लॉक अंतर्गत ग्राम लाफा में नवीन 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण विधायक श्री तुलेश्वर हीरासिंह मरकाम द्वारा 27 मार्च को किया गया। यह 2 करोड 63 लाख रुपए की लागत से उपकेंद्र निर्मित हुआ जिसमें 15 गांवों पोटापानी, बरहामुड़ा, कपोट, लाफा, सैला, जरमौहा, नवापारा, जेमरा, बगदरा, औराभांठा, खैराबहार, अलगीडांड, बगधरीडांड, भंडारखोल, नगोई के लोगों को बिजली की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सरपंच, उपसरपंच, ग्रामवासी एवं विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी सम्मिलित रहे ।



» दिघवाड़ी, मोहला - मानपुर- अंबागढ़चौकी



ग्राम दिघवाड़ी में 33/11 केवी उपकेन्द्र में नये 3.15 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर को 5 मार्च को ऊर्जीकृत किया गया। उपकेन्द्र में 1 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से स्थापित नये 3.15 एमवीए का अतिक्ति पॉवर ट्रांसफार्मर के ऊर्जीकरण से लगभग 32 ग्रामों के 2676 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट एवं अधीक्षण अभियंता

श्री एस. कंवर ने कार्यपालन अभियंता, श्री ए.के. रामटेके, श्री एम.के. साहू, श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता श्री एस. पी. ठाकुर, श्री शिरीष मिलिंद और उनकी टीम को बधाई दी है।

» लालूटोला, छुरिया



ग्राम लालूटोला में मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के अन्तर्गत 2 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित 33/11 केवी उपकेन्द्र को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने 25 फरवरी को ऊर्जीकृत किया। इस उपकेन्द्र के क्रियाशील हो जाने से ग्राम लालूटोला, बिसाहूटोला, बरछाटोला, बापूटोला, पाटेकोहरा, नरायणगढ़, रामपुर, लालूटोलाखार, पिनकापार, नवागांव, मासूलजोब, कुबराडीह, रानीतालाब, औंराटोला, कुहीकोड़ा एवं सड़कबंजारी के लगभग 4500 उपभाक्ताओं को उच्च गुणावत्तापूर्ण विद्युत की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर, कार्यपालन अभियंता श्री एन.के. साहू, श्री मुकेश साहू, श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता श्री दिनेश कुमार चतुर्वेदी, श्री अजय विश्वकर्मा, श्री आर.के. साहू सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

» गैंदाटोला

ग्राम गैंदाटोला में 33/11 केवी उपकेन्द्र में 1 . 60 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर का क्षमता वृद्धि करते हुए 3 15 एमवीए का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर 26 मार्च को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस अवसर अधीक्षण अभियंता श्री एस कंवर ने कार्यपालन अभियंता श्री पीसी साहू, श्री एडी टण्डन, सहायक अभियंता श्री आरपी ठाकुर, श्री जनक साहू, श्री एसपी ठाकुर, कनिष्ठ अभियंता श्रीमती धनेश चन्द्रवंशी उपस्थित थे। 1 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से पूर्ण इस कार्य से ग्राम लुालीकसा, आलीवारा, फगरूटोला, जयसिंगटोला, कुहीखुर्द, सोनवानीटोला, पर्थराटोला, फाफामार, मेटेपारे एवं लुडकाबोड़ के 1950 उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली मिलेगी।



» मोहला



मोहला में 33/11 केवी उपकेन्द्र में 1.60 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर का क्षमता वृद्धि करते हुए 3.15 एमवी का नया पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर 28 मार्च को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट द्वारा ऊर्जीकृत किया गया। इस प्रकार मोहला उपकेन्द्र की क्षमता 4.75 एमवीए से बढ़कर 6.30 एमवीए हो गया है। इस कार्य में 1 करोड़ 32 लाख रुपये की लागत लगी, जिससे अब 24 ग्रामों के 2950 उपभोक्ताओं को उच्चगुणवत्ता की विद्युत सेवा का लाभ मिलेगा।

» पनियाजोब, डोंगरगढ़

ग्राम पनियाजोब में स्थित 33/11 केवी उपकेन्द्र में 3.15 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि का कार्य 27 मार्च को किया गया। 59 लाख 76 हजार रुपये के लागत से 5 एमवीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर उपकेन्द्र की क्षमता 3.15 एमवीए से बढ़कर 5 एमवीए हो गई ।

इस कार्य से लगभग 2425 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट एवं अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर, कार्यपालन अभियंता श्री एन. के. साहू, श्री एम.के. साहू, श्री ए.डी. टण्डन, सहायक अभियंता श्री दिलीप सोनी, श्री ए.के. विश्वकर्मा, श्री आर.के. साहू, कनिष्ठ अभियंता श्री पवन यदु, श्री सम्मन लाल ठाकुर उपस्थित थे।

» दुर्ग

दुर्ग क्षेत्र के शहर जोन अंतर्गत 33/11 केवी करुणा हॉस्पिटल विद्युत उपकेंद्र में मुख्य अभियंता श्री संजय खंडेलवार द्वारा 12 मार्च को अधीकृत किया गया। इसकी



क्षमता 05 एमवीए से बढ़ाकर 08 एमवीए कर दी गई है। यह कार्य 42 लाख 39 हजार रुपए की लागत से पूर्ण किया गया। पूर्व से ही उपकेंद्र में 05 एमवीए के दो पॉवर ट्रांसफार्मर थे, जिनमें से 05 एमवीए पॉवर ट्रांसफार्मर को बदलकर नया 08 एमवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया। अब कुल क्षमता 13 एमवीए हो गई है।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता नगर वृत्त श्री जे.जगन्नाथ प्रसाद, कार्यपालन अभियंता श्री धर्मेंद्र कुमार भारती, श्री एस.के.राय एवं श्री टी.एन. बन्छोर, सहायक अभियंता श्रीमती श्वेता वर्मा, श्री निर्मल कुमार कुर्रे, कनिष्ठ अभियंता कु.लिशा मरकाम उपस्थित थे।



श्रीमती कल्पना घाटे

कार्यपालक निदेशक

उपकेन्द्र (सीएसपीटीसीएल), बिलासपुर



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक उपकेन्द्र बिलासपुर में पदस्थ श्रीमती कल्पना घाटे का जन्म 1 अप्रैल 1965 को दमोह मध्यप्रदेश में हुआ। पिता का नाम स्व श्री शरद चन्द्र दीक्षित एवं माता का नाम श्रीमती कुसुम दीक्षित है। घर में पढ़ाई का माहौल था और स्वयं अत्मनिर्भर होने का जुनून जिसने श्रीमती घाटे को एक लक्ष्य दे दिया। उन्हें परिवार के विश्वास और सहयोग से अच्छे संस्कार मिले। वे मेधावी छात्रा थीं इसलिए परिवार, विशेषतः उनके पिताजी को भी उनसे अपेक्षा थी कि उनका अच्छा कॅरियर रहे। वे अपने परिवार की उम्मीदों पर खरी उतरीं। वर्ष 1987 में बीई इलेक्ट्रिकल की उपाधि एमएसीटी भोपाल से प्राप्त कर, वर्ष 1988 में अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में स्नातक प्रशिक्षु के रूप में चयनित हुईं।

उन्हें सहायक अभियंता के नियमित पद पर वर्ष 1990 में टीएसजी उपकेन्द्र बिलासपुर में पदस्थ किया गया। इसके बाद इसी पद पर एसटीएम संभाग बिलासपुर, एलटीएमटी और कार्यालय अधीक्षण अभियंता उपकेन्द्र संचार एवं संधारण वृत्त में पदस्थापना की गई। वर्ष 2007 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर अति उच्चदाब निर्माण वृत्त बिलासपुर में सेवाएं दी। इस पद पर वे कार्यालय अधीक्षण अभियंता वृत्त में 10 वर्षों तक कार्यरत रहीं। वर्ष 2017 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर वे क्षेत्रीय भंडार कार्यालय में पदस्थ की गई तत्पश्चात् वर्ष 2018 में इनकी पदस्थापना अधीक्षण अभियंता (उप-केन्द्र) वृत्त बिलासपुर के पद पर हुई। वर्ष 2021 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति मिली और कार्यालय कार्यपालक निदेशक पीएंडपी रायपुर में पदस्थ की गई। वर्ष 2023 में समान पद पर कार्यालय मुख्य अभियंता उपकेन्द्र बिलासपुर कार्यालय में पदस्थ की गई। वर्ष 2024 में मुख्य अभियंता बनी और बिलासपुर में ही पदस्थ रही जहां वर्ष 2025 में कार्यपालक निदेशक उपकेन्द्र बिलासपुर के शीर्ष पद पर पहुंची। उनका संपूर्ण सेवाकाल बिलासपुर क्षेत्र में कार्य करते हुए बीता। बिलासपुर क्षेत्र उनकी कर्मभूमि रही और उनके द्वारा ट्रांसमिशन अधोसंरचना के अनेक विकास कार्य किए गए। कोरोना काल में संपूर्ण लाकडाउन के दौरान अप्रैल 2020 में उनके दिशानिर्देशन में 132 केवी उपकेन्द्र चपले के डिफेक्टिव दोनों 40 एमवीए ट्रांसफार्मर का ओव्हरआयलिंग कर मात्र 25 दिन में चालू किया गया, सांथ ही दूसरा ट्रांसफार्मर भी उसके बाद जल्द पूरा किया गया। वर्ष 2024 में दीवाली के दिन 132 केवी उपकेन्द्र , बेमेतरा से दूसरा ट्रांसफार्मर लाकर ओव्हरआयलिंग के पश्चात मात्र 18 दिन की अवधि में ऊर्जीकृत किया गया।

जिन्दगीभर ट्रांसमिशन लाइनें और सबस्टेशनों के बीच रहने वाली श्रीमती घाटे परिवार के प्रति भी उतनी ही समर्पित हैं। परिवार के ध्यान रखने और बच्चों की परवरिश में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। उनके पति श्री सतीश घाटे स्वतंत्र व्यवसाय करते हैं। पुत्री संपदा घाटे विधि में स्नातकोत्तर उपाधी प्राप्त कर मुंबई में कार्यरत हैं। पुत्र शुभंकर बैचलर आफ आर्किटेक्ट की उपाधि हासिल कर स्वतंत्र व्यवसाय कर रहे हैं।

श्रीमती शारदा सोनवानी

मुख्य अभियंता

स्टेट लोड डिस्पैच सेन्टर, रायपुर



श्रीमती शारदा सोनवानी का जन्म ग्राम मोतेसरा, जिला कवर्धा, छत्तीसगढ़ में 24 जुलाई 1966 को हुआ। उनके पिता का नाम श्री पी. डी. पात्रे व माता का नाम श्रीमती जगमत पात्रे है। पिता श्री पात्रे केन्द्रीय कर्मचारी थे और पी.एण्ड टी. विभाग में डिविजनल इंजीनियर के पद से सेवानिवृत्त हुए। पिता का सपना था कि बेटी डॉक्टर बने परन्तु बिटिया को गणित विषय लेना था। एम.एल. बी. स्कूल जबलपुर से 1983 में हायर सेकेण्ड्री की परीक्षा उत्तीर्ण की तथा 1989 में जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज से इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकम्युनिकेशन में बी.ई. की उपाधि हासिल की। उनके छोटे भाई श्री के. बी. पात्रे मुख्य अभियंता के पद पर ट्रांसमिशन कंपनी में पदस्थ हैं।

श्रीमती सोनवानी के कैरियर की शुरूआत वर्ष 1992 में ग्रेजुएट ट्रेनी के रूप में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल में हुई। प्रथम पदस्थापना कम्युनिकेशन डिविजन, सतना, मध्यप्रदेश में हुई। 4 माह का रोटेशनल प्रशिक्षण सतना में व संस्थागत प्रशिक्षण जबलपुर से मिला। सहायक अभियंता के पद पर प्रथम नियमित पदस्थापना वर्ष 1993 में मुख्य अभियंता कार्यालय, टेस्टिंग एंड कम्युनिकेशन जबलपुर में ही हुई। वे मीटर रिले परीक्षण (एम. आर.टी.) विभाग में पदस्थ की गई। वर्ष 1999 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर सिटी सर्किल गुढ़ियारी रायपुर में पदस्थापना मिली। वर्ष 2008 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति मिली तथा 2000 से 2012 तक कार्यालय मुख्य अभियंता (आर.ओ.सी.) एवं मुख्य अभियंता (टी.एण्ड सी.) रायपुर में पदस्थ रहीं। कुछ वर्ष प्रोजेक्ट, सी.एण्ड आर.ए. विभाग में कार्य करने के उपरांत वर्ष 2016 में अति0 मुख्य अभियंता के पद पर लोड डिस्पैच सेन्टर रायपुर में पदस्थ की गई।

वर्ष 2024 में मुख्य अभियंता बनीं और वर्तमान में लोड डिस्पैच सेन्टर की विभाग प्रमुख हैं। जो अपने नेटवर्क का स्काडा के माध्यम से चौबीसों घन्टे सतत् निगरानी करता है साथ ही शार्ट टर्म ओपन एक्सेस आवेदनों को सीएसईआरसी / सीईआरसी के अधिनियमों के तहत अनुमति प्रदान करता है। एसएलडीसी द्वारा डी.एस.एम. बिलिंग एवं शिड्युलिंग कार्य कार्य भी समय-सीमा के अंदर किया जाता है। वे ट्रांसमिशन कंपनी के केन्द्रीय आंतरिक शिकायत समिति की पीठासीन अधिकारी के दायित्वों का निवर्हन भी कुशलतापूर्वक कर रही हैं। श्रीमती सोनवानी का कहना है कि परिवार और ऑफिस कार्य के बीच समन्वय बनाने में पति डॉ. खेमराज सोनवानी के सहयोग और विश्वास ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. सोनवानी भी राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग में डिप्टी डायरेक्टर पदस्थ हैं। उनकी सुपुत्रियां कुसुमिता अंग्रेजी साहित्य में पी.एच.डी. कर रहीं है, तुलिका मल्टीमीडिया डिजाईन के क्षेत्र में बैंगलोर में कार्यरत है व ख्याति एम.ए. मनोविज्ञान में अध्ययनरत् हैं। श्रीमती सोनवानी फुरसत के पलों में गाने सुनना व किताबें पढ़ना पसंद करती है।

श्री पी.वी. सजीव

मुख्य अभियंता, रायगढ़ क्षेत्र

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड



श्री पी.वी. सजीव का जन्म 9 जून 1963 को केरल राज्य के त्रिशूर नामक शहर में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री एम. वर्गीज तथा माता का नाम श्रीमती मरियम्मा वर्गीज है। श्री सजीव के पिता भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत थे। अतः श्री सजीव की संपूर्ण स्कूली शिक्षा नंदिनी माइन्स, भिलाई में तथा उच्च शिक्षा रायपुर में हुई। उन्होंने वर्ष 1985 में रायपुर स्थित शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय (अब एनआईटी) से बीई इलेक्ट्रिकल की उपाधि अर्जित की तथा वर्ष 1990 में सहायक अभियंता के रूप में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल की सेवा में आ गए।

श्री सजीव की पहली पदस्थापना छत्तीसगढ़ के सघन आदिवासी अंचल बारसूर में हुई। जहां वे 220 के वी उपकेंद्र एवं एचवीडीसी स्टेशन में वर्ष 1995 तक कार्यरत रहे। तत्पश्चात भिलाई स्थित पॉवर सिस्टम संभाग में पदस्थ किए गए। जहां वर्ष 2001 तक कार्यरत रहे। उस वक्त मध्यप्रदेश का लोड-डिस्पैच सेंटर मुख्यालय जबलपुर में स्थित था तथा ग्रिड कंट्रोल तथा पॉवर मैनेजमेंट के लिए क्षेत्रीय स्तर पर इंदौर, भोपाल, जबलपुर तथा भिलाई में पॉवर सिस्टम स्थापित किया गया था। पॉवर सिस्टमम के कार्यकाल के दौरान इनके द्वारा छत्तीसगढ़ क्षेत्र के पॉवर मैनेजमेंट एवं ग्रिड कंट्रोल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। तत्पश्चात उन्हें वर्ष 2002 में 400 केवी के नवनिर्मित उपकेंद्र खेदामारा में भी योगदान का अवसर मिला। वर्ष 2003 से 2006 तक सहायक यंत्री निर्माण संभाग दुर्ग एवं ओ एंड एम संभाग दुर्ग में कार्यरत रहे। 2006 में श्री सजीव को कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति मिली तथा ओ एण्ड एम सभाग, रायगढ़ में पदस्थ किया गया। वर्ष 2009 में कार्यपालन अभियंता के रूप में मुख्य अभियंता वाणिज्य कार्यालय रायपुर में स्थानांतरण हुआ जहां वर्ष 2015 तक कार्यरत रहे। इस दौरान इनके द्वारा प्रति वर्ष सीएसपीडीसीएल के टैरिफ फाइलिंग एवं राज्य विद्युत नियामक आयोग से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों में योगदान रहा तत्पश्चात कार्यपालन अभियंता प्रोजेक्ट के पद पर दुर्ग में पदस्थ किए गए। इस दौरान श्री सजीव ने मुख्यमंत्री विद्युत प्रवाह योजना के अंतर्गत दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिलों में मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के अंतर्गत कम समय में काफी संख्या में 33/11 उपकेंद्रों का निर्माण कराया गया।

श्री सजीव वर्ष 2017 में अधीक्षण अभियंता पदोन्नत हुए तथा ओ एण्ड एम सर्किल कोरबा पदस्थ किए गए। वर्ष 2021 में आपका तबादला डीजीएम, (मानव संसाधन) छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी मुख्यालय, रायपुर में हुआ जहां आप वर्ष 2022 तक कार्यरत रहे। तत्पश्चात कार्यपालक निदेशक रेग्युलेटरी अफेयर्स एण्ड पॉवर मैनेजमेंट के कार्यालय में पदस्थ किए गए व वर्ष 2023 तक कार्य किया। वर्ष 2023 में उनकी पदोन्नति अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर हुई और वे पदोन्नति पश्चात भी ईडी आरए एंड पीएम कार्यालय में पदस्थ रहे। इस दौरान इनके द्वारा टेरिफ एवं सोलार संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों संपादन किया गया। 2024 में श्री सजीव मुख्य अभियंता के शीर्ष पद पर पदोन्नत हुए तथा रायगढ़ क्षेत्र में पदस्थ किए गए।

श्री सजीव ने एचवीडीसी से लेकर विद्युत आपूर्ति के मैदानी कार्यालयों तक का और सिस्टम मैनेजमेंट से लेकर टैरिफ रेग्युलेशन तक व्यापक अनुभव हासिल किया। इस तरह वे पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर के संपूर्ण विशेषज्ञ बने। सौम्य स्वभाव, व्यवहार कुशलता, मृदुभाषिता जैसे गुणों के साथ श्री सजीव ने कार्य कुशल टीम बनाने और उसके माध्यम से कार्य संपादित कराने में महारत हासिल की। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सोमी सजीव रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर शिक्षित हैं तथा हायर सेकण्डरी स्कूल में व्याख्याता हैं। उनके पुत्र श्री सिनॉयसजीव ने इंजीनियरिंग एवं एमबीए की उपाधि अर्जित किया है। वर्तमान में पुत्र सिनॉय अपनी पत्नी श्रीमती निधि सिनॉय संग आईटी क्षेत्र में सेवारत हैं। श्री सजीव की विशेष अभिरूचि तकनीकी किताबों के पठन तथा संगीत सुनने में है।

इस स्तंभ में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनीज़ के वरिष्ठ अधिकारियों, विभाग प्रमुखों के जीवन वृत्त का प्रकाशन क्रमिक रूप से किया जा रहा है ताकि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से तीनों पॉवर कंपनियों के प्रदेश भर में पदस्थ अधिकारी तथा कर्मचारी प्रेरणा लें। अपने-अपने क्षेत्रों में श्रेष्ठतम कार्य निष्पादन के लिये न सिर्फ नियमित दायित्वों का निर्वाह श्रेष्ठता से करें बल्कि नवाचार से प्रचलित परिपाटियों में बेहतर सकारात्मक सुधार के माध्यम भी बनें।

▪ **संपादक**



बिजली की कहानी 4

उमेश कुमार मिश्र
अतिरिक्त महाप्रबंधक, जनसंपर्क
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के ठीक पहले की परिस्थितियों को समझने के लिए मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के तत्कालीन अध्यक्ष श्री के. शंकर नारायणन के एक वक्तव्य पर नजर डालना उचित होगा। मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल द्वारा प्रकाशित विद्युत न्यूज लेटर के 17 सितंबर 1996 के अंक में यह वक्तव्य प्रकाशित हुआ था जिसमें श्री के. शंकर नारायणन ने विद्युत कटौती और विद्युत आपूर्ति की खराब हो चुकी व्यवस्था को लेकर यह कहा था कि ऊर्जा क्षेत्र में समुचित निवेश न होने के कारण यह स्थिति बनी है। उन्होंने कहा था कि वर्ष 1999 के बाद निजी क्षेत्रों को निर्माण हेतु दिए गए बिजली घरों से उत्पादन शुरू हो जाएगा तब प्रदेश के विद्युत परिदृश्य में उत्साहजनक परिणाम परिलक्षित होंगे। फिलहाल मण्डल की ओर से प्रदेश में किसी भी नयी परियोजना को लेकर विद्युत गृहों का निर्माण नहीं किया जा रहा है, यही वजह है कि जिससे हमें निजी क्षेत्रों से हो रहे विद्युत उत्पादन के लिये उम्मीद रखनी होगी। अब तक 20 परियोजनाओं के लिए एम.ओ.यू. (समझौता ज्ञापन पत्र) हस्ताक्षरित कर लिए गए हैं तथा इनमें से आधे से अधिक कम्पनियों के साथ पॉवर परचेज एग्रीमेंट भी हो चुका है।

इस बयान से स्थिति स्पष्ट होती है कि उस दौर में शासकीय क्षेत्र में नए बिजलीघर स्थापित नहीं होने से पूरा का पूरा दारोमदार निजी क्षेत्र के ऊपर डाल दिया गया था। वास्तव में निजी क्षेत्र से किए गए करार भी बहुत बड़े पैमाने में सफल नहीं हो पाए और इस तरह निजी क्षेत्र के साथ पुनः शासकीय क्षेत्र में बिजलीघर स्थापित करने की शुरूआत हुई। मध्यप्रदेश में तो सन् 2000 की समाप्ति के पहले मध्यप्रदेश के बिरसिंगपुर में संजय गांधी ताप विद्युत गृह की 210-210 मेगावॉट की तीसरी और चौथी इकाई स्थापित होने से निराशा के बादल छटे थे। लेकिन छत्तीसगढ़ में हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में 210 मेगावॉट की चौथी इकाई 13 मार्च 1986 में स्थापित होने के पश्चात् नए ताप विद्युत गृहों की स्थापना एकदम रूक गई थी। वहीं मिनीमाता हसदेव बांगो जल विद्युत गृह की 40 मेगावॉट की तीसरी इकाई (कुल 120 मेगावॉट) 11 जनवरी 1995 को स्थापित की गई थी। इसके बाद राज्य गठन से नए दौर की शुरूआत हुई।

अविभाजित मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य का गठन 1 नवंबर 2000 को हुआ। उस समय सबसे बड़ा सवाल यह था कि क्या मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल से अलग होकर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल भी बनाया जाएगा ? उस समय मध्यप्रदेश की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 4256.2 मेगावॉट थी। जिसमें से भौगोलिक आधार पर स्थापित बिजलीघरों के अनुसार छत्तीसगढ़ के हिस्से में 1361.2 मेगावॉट क्षमता के विद्युत गृह आए।

तब अविभाजित मध्यप्रदेश में उत्पादन क्षमता

क्र.	विद्युत गृहों के नाम	इकाइयां	स्थापित क्षमता
1.	कोरबा ताप विद्युत गृह कोरबा (पूर्व)	4×40 मेगावॉट, 2×120 मेगावॉट	400 मेगावॉट
2.	हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा (पश्चिम)	4×210 मेगावॉट	840 मेगावॉट
3.	अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई	1×30 मेगावॉट, 1×20 मेगावॉट, 2×120 मेगावॉट	290 मेगावॉट
4	सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी	5×62.5 मेगावॉट, 1×200 मेगावॉट, 3×210 मेगावॉट	1017.5 मेगावॉट(+)
5.	संजय गांधी ताप विद्युत गृह, बिरसिंगपुर	4×210 मेगावॉट	840 मेगावॉट
कुल ताप विद्युत क्षमता (मध्यप्रदेश का अंश) - 3387.5 मेगावॉट			
6.	बाणसागर टोंस जल विद्युत गृह सिरमौर	3×105 मेगावॉट	315 मेगावॉट
7.	हसदेव बांगो जल विद्युत गृह माचाडोली	3×40 मेगावॉट	120 मेगावॉट
8.	रानी अवंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बारगी	2×45 मेगावॉट	90 मेगावॉट
9.	बिरसिंगपुर जल विद्युत गृह, बिरसिंगपुर	1×20 मेगावॉट	20 मेगावॉट
10.	लघुकृत जल विद्युत गृह, रुद्री	1×1.2 मेगावॉट	1.2 मेगावॉट
11.	गांधीसागर जल विद्युत गृह, गांधीसागर	5×23 मेगावॉट (+)	57.5 मेगावॉट
12.	जवाहर सागर जल विद्युत गृह, कोटा	4×43 मेगावॉट (+)	86 मेगावॉट
13.	राणा प्रताप सागर, जल विद्युत गृह, कोटा	3×33 मेगावॉट (+)	49.5 मेगावॉट
14.	पेंच जल विद्युत गृह, तोतलाडोह	2×80 मेगावॉट (+)	107 मेगावॉट
15.	राजघाट जल विद्युत गृह	3×15 मेगावॉट (+)	22.5 मेगावॉट
कुल जल विद्युत क्षमता (मध्यप्रदेश का अंश)-868.7 मेगावॉट			
कुल ताप एवं जल (मध्यप्रदेश का अंश)-4256.2 मेगावॉट			

टीपः- (+) चिन्हित विद्युत गृहों में केवल मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के अंश को दर्शाया गया है।



छत्तीसगढ़ के हिस्से में आए विद्युत गृहों की स्थापित क्षमता

क्र.	विद्युत गृहों के नाम	इकाईयां	स्थापित क्षमता
1.	कोरबा ताप विद्युत गृह कोरबा (पूर्व)	4×40 मेगावॉट, 2×120 मेगावॉट	400 मेगावॉट
2.	हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा (पश्चिम)	4×210 मेगावॉट	840 मेगावॉट
कुल ताप विद्युत गृह - 1240 मेगावॉट			
3.	हसदेव बांगो जल विद्युत गृह माचाडोली	3×40 मेगावॉट	120 मेगावॉट
4.	लघुकृत जल विद्युत गृह, रुद्री	1×1.2 मेगावॉट	1.2 मेगावॉट
कुल जल विद्युत क्षमता - 121.2 मेगावॉट			
कुल ताप एवं जल - 1361.2 मेगावॉट			

इस तरह छत्तीसगढ़ ने अपना विद्युत विकास का सफर 1361.2 मेगावॉट कुल स्थापित क्षमता के साथ शुरू किया।



छत्तीसगढ़ में ताप विद्युत गृहों की प्रधानता थी। अतः छत्तीसगढ़ के हिस्से में 1240 मेगावॉट के ताप विद्युत गृह आए, जबकि मध्यप्रदेश के हिस्से में 2147 मेगावॉट के ताप विद्युत गृह गए। वहीं मध्यप्रदेश के हिस्से में 725 मेगावॉट उत्पादन क्षमता के जल विद्युत गृह गए तो छत्तीसगढ़ के हिस्से में मात्र 121.2 मेगावॉट क्षमता के जल विद्युत गृह आए। भौगोलिक आधार पर पूर्ववर्ती मध्यप्रदेश के हिस्से में 66 प्रतिशत भूखंड गया लेकिन वहां की ज्यादातर ताप विद्युत की जरूरत छत्तीसगढ़ से पूरी होती थी इसलिए तात्कालिक तौर पर मध्यप्रदेश में बिजली की कमी महसूस की गई थी। इसके विपरीत छत्तीसगढ़ विद्युत आधिक्य वाला राज्य बन गया।

राज्य गठन के 15 दिन में अलग विद्युत मण्डल गठित

छत्तीसगढ़ 1 नवंबर 2000 को देश का 26वां प्रदेश बना। राज्य की स्थापना के तत्काल पश्चात को छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) की अधिसूचना क्रमांक 18 एवं 22/उवि/2000 दिनांक 15 नवम्बर 2000 के अनुसार मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 1948 (1948 का सांख्यक-54 की धारा एक की उपधारा (4) एवं (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत बोर्ड का गठन किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल के प्रथम अध्यक्ष के पद पर श्री सुयोग्य कुमार मिश्र, आई.ए.एस. प्रमुख सचिव, वित्त, छत्तीसगढ़ शासन के साथ-साथ श्री बी.के.एस. रे, कृषि उत्पादन आयुक्त छत्तीसगढ़ शासन तथा श्री. अजय सिंह, सचिव, ऊर्जा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन को तारीख 15 नवम्बर 2000 से सदस्य के पद पर नियुक्त किया गया। इस तरह 1 दिसंबर 2000 से छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल के गठन के वक्त प्रदेश को बंटवारे में मिली विद्युत अधोसंरचना की स्थिति इस प्रकार थी-

- विद्युत उत्पादन क्षमता - 1,361.2 मेगावॉट
- अति उच्चदाब उपकेन्द्र - 27 नग
- अति उच्चदाब लाइन - 5,205 सर्किट किमी
- 400 केवी उपकेन्द्र - 1 नग
- 400 केवी उपकेन्द्र क्षमता - 945 एमवीए
- 400 केवी लाइन - 277 किमी
- 220 केवी उपकेन्द्र -5 नग
- 220 केवी उपकेन्द्र क्षमता - 1,350 एमवीए
- 220 केवी लाइन - 1594.30 किमी
- 132 केवी उपकेंद्र - 20 नग
- 132 केवी उपकेंद्र क्षमता - 1,257 एमवीए





- 132 केवी लाइन - 2,974 किमी
- 33/11 केवी उपकेन्द्र - 248 नग
- 33/11 केवी उपकेंदों क्षमता -1,033 एमवीए
- 33 केवी लाइन - 6,988 सर्किट किमी
- 11/04 केवी उपकेन्द्र - 29,692 नग
- 11/04 केवी उपकेन्द्र क्षमता - 1,951 एमवीए
- 11 केवी लाइन 40,556 किमी
- निम्नदाब लाइन - 51,314 किमी
- उपभोक्ता संख्या निम्नदाब - 18,90,998
- उपभोक्ता उच्चदाब - 530
- विद्युतीकृत पंप - 73,369
- ग्राम विद्युतीकरण - 17,108
- अधिकतम मांग - 1,334 मेगावॉट

राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की कुल उत्पादन क्षमता के अलावा केंद्रीय क्षेत्र से मिलने वाले हिस्से को मिलाकर छत्तीसगढ़ में पर्याप्त बिजली की उपलब्धता हो गई थी लेकिन पारेषण तथा वितरण तंत्र की स्थिति बेहद खराब होने के कारण प्रारंभिक दिनों में अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। पारेषण तथा वितरण तंत्र को सक्षम बनाने के लिए युद्ध स्तरीय प्रयासों की आवश्यकता महसूस की गई। राज्य गठन के बाद पहला विधानसभा चुनाव वर्ष 2003 के अंत में हुआ। जिसमें डॉ. रमन सिंह मुख्यमंत्री बने। इसके ठीक पहले 29 अगस्त 2003 को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री अजीत जोगी ने 2x250 मेगावॉट के ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व के लिए भूमि पूजन किया था लेकिन इसके तुरंत बाद ही सरकार बदल गई। छत्तीसगढ़ में विद्युत विकास के लिए बहुस्तरीय और बहुआयामी प्रयासों का नया दौर वास्तव में वर्ष 2003 के पश्चात ही शुरू हुआ।

» वर्ष 2009 में बनी 5 स्टेट पॉवर कंपनीज

विद्युत अधिनियम 2003 के परिपालन में 1 जनवरी 2009 को छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल को 5 अलग-अलग विद्युत कंपनियों में विभाजित किया गया। इस तरह छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रेडिंग कंपनी, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी का गठन किया गया। अगस्त 2022 को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रेडिंग कंपनी को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में समाहित कर दिया गया। इस तरह अगस्त 2022 से छत्तीसगढ़ में 5 की जगह सिर्फ 3 कंपनियां- उत्पादन, पारेषण तथा वितरण के लिए कार्यरत हैं।

» 11 वर्ष बाद स्टेट सेक्टर का ताप बिजलीघर

वर्ष 1986 में हसदेव ताप विद्युत गृह की 210 मेगावॉट की चौथी इकाई 13 मार्च 1986 को क्रियाशील हुई थी। उसके बाद नए बिजलीघर स्थापित होने का सिलसिला वर्ष 2007 से शुरू हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर विद्युत उत्पादन की रणनीति पर विचार किया गया। उनके पहले कार्यकाल (2003-2008) में उनके सघन प्रयासों और नियमित मॉनीटरिंग के कारण 30 मार्च 2007 तथा 11 दिसंबर 2007 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थर्मल पॉवर स्टेशन, कोरबा पूर्व में 250-250 मेगावॉट की 2 इकाइयां स्थापित की गई। इस बीच छोटे-छोटे जल विद्युत गृहों की भी संभावनाओं को साकार किया गया। कोरबा पश्चिम में लघु जल विद्युत गृह की 0.85-0.85 मेगावॉट की दो इकाइयां (कुल 1.7 मेगावॉट) क्रमशः 12 जनवरी 2003 और 4 जुलाई 2009 को क्रियाशील हुई। गंगरेल में 2.5-2.5 मेगावॉट की चार इकाइयां (कुल 10 मेगावॉट) क्रमशः 28 जुलाई 2004, 4 अगस्त 2004, 3 मई 2005, 23 मई 2005 को क्रियाशील की गई। इसी प्रकार सिकासार में 3.5-3.5 मेगावॉट की दो इकाइयां (कुल 7 मेगावॉट) 3 सितंबर 2006 को क्रियाशील की गई। इसके अलावा भोरमदेव स्थित शक्कर कारखाने में 6 मेगावॉट की एक को-जनरेशन इकाई 10 अगस्त 2006 को क्रियाशील की गई। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के दूसरे कार्यकाल (2008-2013) में प्रदेश में दूसरी ताप विद्युत परियोजना हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम की 500 मेगावॉट की इकाई 22 मार्च 2013 को क्रियाशील की गई। उनके तीसरे कार्यकाल (2013-2018) में स्टेट सेक्टर

छत्तीसगढ़ में एनटीपीसी द्वारा स्थापित बिजलीघर

छत्तीसगढ़ में कोरबा के बाद दुर्ग जिले में भिलाई, बिलासपुर जिले में सीपत तथा रायगढ़ जिले में एनटीपीसी द्वारा ताप बिजलीघर स्थापित किए गए। जिसमें से भिलाई में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (भिलाई इस्पात संयंत्र) के सहयोग से 250-250 मेगावॉट की दो इकाइयां स्थापित की गई। एनटीपीसी द्वारा स्थापित इकाइयों के स्थान, क्षमता तथा कालक्रम इस प्रकार है- कोरबा इकाई क्रं. 1 - 200 मेगावॉट (1983), इकाई क्रं. 2 - 200 मेगावॉट (1983), इकाई क्रं. 3 - 200 मेगावॉट (1984), इकाई क्रं. 4 - 500 मेगावॉट (1987), इकाई क्रं. 5 - 500 मेगावॉट (1988), इकाई क्रं. 6 - 500 मेगावॉट (1989), इकाई क्रं. 7 - 500 मेगावॉट (2010), भिलाई इकाई क्रं. 1 - 250 मेगावॉट (2008), इकाई क्रं. 2 - 250 मेगावॉट (2009), बिलासपुर इकाई क्रं. 1 - 660 मेगावॉट (2011), इकाई क्रं. 2 - 660 मेगावॉट (2011), इकाई क्रं. 3 - 660 मेगावॉट (2012), इकाई क्रं. 4 - 500 मेगावॉट (2007), इकाई क्रं. 5 - 500 मेगावॉट (2008), रायगढ़ इकाई क्रं. 1 - 800 मेगावॉट (2018), इकाई क्रं. 2 - 800 मेगावॉट (2020) (छत्तीसगढ़ में एनटीपीसी की कुल स्थापित क्षमता 7680 मेगावॉट)





की तीसरी परियोजना अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह, मड़वा, जांजगीर चांपा की 500-500 मेगावॉट की दो इकाइयां भी 31 मार्च 2016 को क्रियाशील की गई। इस बीच सेंट्रल सेक्टर व निजी क्षेत्र में भी विद्युत उत्पादन इकाइयों की स्थापना का कार्य तेजी से हुआ। सेंट्रल सेक्टर में स्थापित होने वाले बिजलीघरों से राज्य को अधिकाधिक हिस्सा दिलाने के लिए भी डॉ. रमन सिंह द्वारा कुशल रणनीति से कार्य किया गया। सामान्य प्रक्रिया अनुसार सेंट्रल सेक्टर के बिजलीघर जब किसी राज्य में स्थापित होते है तो वहां उत्पादित बिजली का कम से कम 15 प्रतिशत हिस्सा राज्य को मिलता है। लेकिन डॉ. रमन सिंह के मुख्यमंत्रित्व काल में एनटीपीसी लारा बिजलीघर की स्थापना के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने राज्य के संसाधनों के मुद्दे को बहुत ही प्रमुखता से उठाया और एनटीपीसी लारा में उत्पादित बिजली से 50 प्रतिशत हिस्से की मांग सामने रख दी। इस अभियान में मिली सफलता बेहद महत्वपूर्ण है। जिसका लाभ छत्तीसगढ़ को दीर्घकाल तक मिलेगा।

किसी नए ताप बिजलीघर की स्थापना में कम से कम 5 वर्ष का समय लगता है। डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में न सिर्फ नए बिजलीघर लगाने के बारे में विचार किया गया बल्कि उसे अमल में लाने के लिए समुचित कदम भी उठाए गए। जिसके कारण प्रदेश में विद्युत उत्पादन क्षमता में तेजी से वृद्धि हुई। वर्तमान में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की कुल ताप विद्युत उत्पादन क्षमता 2840 मेगावॉट तथा जल विद्युत उत्पादन क्षमता 138.70 मेगावॉट है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी की कुल स्थापित क्षमता 2978.70 मेगावॉट है। उल्लेखनीय है कि कोरबा ताप विद्युत गृह की 50-50 मेगावॉट की चार इकाइयां तथा 120-120 मेगावॉट की दो इकाइयां अर्थात 440 मेगावॉट की इकाइयां अत्यधिक पुरानी होने के कारण सेवानिवृत्त कर दी गई हैं।



कुल मिलाकर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी वर्ष 2016-17 में 3424.70 मेगावॉट के साथ अब तक की सर्वाधिक ऊंचाई पर पहुंची थी जो अब वर्तमान में 2978.70 मेगावॉट पर स्थिर है। इस क्रम में 30 मार्च 2025 का दिन एक नए कीर्तिमान की तरह दर्ज हुआ है। राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल पर हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के पहले सुपर क्रिटिकल पॉवर थर्मल पॉवर स्टेशन (660-660 मेगावॉट) की दो इकाइयां के निर्माण कार्य का शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया गया है।

छत्तीसगढ़ में निजी क्षेत्र द्वारा स्थापित बिजलीघर

जिंदल पॉवर लिमिटेड रायगढ़ इकाई क्र. 1 - 250 मेगावॉट (2007) इकाई क्र. 2 - 250 मेगावॉट (2008), इकाई क्र. 3 - 250 मेगावॉट (2008), इकाई क्र. 4 - 300 मेगावॉट (2008), लैंको अमरकंटक पॉवर लिमिटेड पाठाडीह इकाई क्र. 1 - 300 मेगावॉट (2009), इकाई क्र. 2 - 300 मेगावॉट (2010), एस.वी. पॉवर प्राइवेट लिमिटेड इकाई क्र. 1 - 63 मेगावॉट (2011), ए.सी.बी. (इंडिया) लिमिटेड कसाइपल्ली इकाई क्र. 1 - 135 मेगावॉट (2011), इकाई क्र. 2 - 135 मेगावॉट (2012), वंदना स्टील एंड प्राइवेट लिमिटेड कटघोरा इकाई क्र. 1 - 35 मेगावॉट (2012), वर्धा पॉवर कंपनी लिमिटेड अकलतरा इकाई क्र. 1 - 600 मेगावॉट (2013), स्पेक्ट्रम कोल एंड पॉवर लिमिटेड रतिजा इकाई क्र. 1 - 50 मेगावॉट (2013), वर्धा पॉवर कंपनी लिमिटेड अकलतरा इकाई क्र. 2 - 600 मेगावॉट (2014), ए.सी.बी. (इंडिया) लिमिटेड चकरबेड़ा इकाई क्र. 3 - 30 मेगावॉट (2014), जिंदल पॉवर लिमिटेड तमनार इकाई क्र. 1 - 600 मेगावॉट (2014), जिंदल पॉवर लिमिटेड तमनार इकाई क्र. 2 - 600 मेगावॉट (2014), डी.बी. पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड बारादरहा इकाई क्र. 1 - 600 मेगावॉट (2014), जिंदल पॉवर लिमिटेड तमनार इकाई क्र. 3 - 600 मेगावॉट (2015), इकाई क्र. 4 - 600 मेगावॉट (2015), डी.बी. पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड बारादरहा इकाई क्र. 2 - 600 मेगावॉट (2015), जी.एम.आर. रायखेड़ा इकाई क्र. 1 - 685 मेगावॉट (2015), वंदना विद्युत सलोरा इकाई क्र. 1 - 135 मेगावॉट (2015), ए.सी.बी. (इंडिया) लिमिटेड कोरबा इकाई क्र. 4 - 25 मेगावॉट (2015), आर.के.एम. पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड उचपिंडा इकाई क्र. 1 - 360 मेगावॉट (2015), भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड बाल्को इकाई क्र. 1 - 300 मेगावॉट (2015), मारूति क्लीन कोल एंड पॉवर लिमिटेड बांधाखार इकाई क्र. 1 - 300 मेगावॉट (2015), स्पेक्ट्रम कोल एंड पॉवर लिमिटेड रतिजा इकाई क्र. 2 - 50 मेगावॉट (2016), जी.एम.आर. रायखेड़ा इकाई क्र. 2 - 685 मेगावॉट (2016), आर.के.एम. पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड उचपिंडा इकाई क्र. 2 - 360 मेगावॉट (2016), भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड बाल्को इकाई क्र. 2 - 300 मेगावॉट (2016), टी.आर.एन. एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड नवापारा इकाई क्र. 1 - 300 मेगावॉट (2016), आर.के.एम. पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड उचपिंडा इकाई क्र. 3 - 360 मेगावॉट (2017), टी.आर.एन. एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड नवापारा इकाई क्र. 2 - 300 मेगावॉट (2017), एस.के.एस. पॉवर जनरेशन लिमिटेड बिंजकोट इकाई क्र. 1 - 300 मेगावॉट (2017), वर्धा पॉवर कंपनी लिमिटेड अकलतरा इकाई क्र. 1 - 600 मेगावॉट (2018), एस.के.एस. पॉवर जनरेशन लिमिटेड बिंजकोट इकाई क्र. 2 - 300 मेगावॉट (2018), आर.के.एम. पॉवरजेन प्राइवेट लिमिटेड उचपिंडा इकाई क्र. 4 - 360 मेगावॉट (2019), (छत्तीसगढ़ में निजी क्षेत्र में स्थापित ताप विद्युत गृहों की क्षमता 13418 मेगावॉट)



श्री जी.आनंद राव - पॉवर कंपनीज मुख्यालय में आयोजित समारोह में कार्यपालक निदेशक (उपकेन्द्र तथा मानव संसाधन) श्री जी.आनंद राव को फरवरी माह में विदाई दी गई। सेवाभवन में आयोजित समारोह में प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री आर.के.शुक्ला एवं प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीमसिंह कंवर ने उन्हें शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया।

श्री ए.के.धर,श्री जयेश बोन्डे एवं श्री डी.एस.भगत - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज से माह मार्च में कार्यपालक निदेशक एस.एंड पी. (डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी) श्री अंजन कुमार धर, कार्यपालक निदेशक (सिविल) उत्पादन श्री जयेश बोन्डे एवं मुख्य अभियंता (प्रशिक्षण) श्री धरम साय भगत को सेवाभवन में पॉवर कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव तथा प्रबंध निदेशकगण द्वारा सम्मानित कर विदाई दी गई। कार्यक्रम में एमडी (जनरेशन) श्री एस.के.कटियार, एमडी (टांसमिशन) श्री आर.के. शुक्ला, एमडी (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीम सिंह कंवर सहित उच्च अधिकारीगण उपस्थित थे।





श्री चंद्र मोहन बाजपेयी, श्री उपेंद्र कुमार साहू, श्री ईश्वर साहू, श्री पवन कुमार देवांगन, श्री धन्नालाल मंडावी, श्री रामेश्वर प्रसाद चंद्राकर, श्रीमती समला वर्मा - लोड डिस्पैच सेंटर में माह मार्च में अधीक्षण अभियंता श्री चंद्र मोहन बाजपेयी, निज सचिव श्री उपेंद्र कुमार साहू, निज सचिव श्री ईश्वर साहू, रायपुर के कनिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री पवन कुमार देवांगन, श्री धन्नालाल मंडावी, श्री रामेश्वर प्रसाद चंद्राकर, श्रीमती समला वर्मा को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद सिंह पटेल द्वारा किया गया।

श्री अमर सिंह लटियारे - लोड डिस्पैच सेंटर में माह फरवरी में सेवानिवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री अमर सिंह लटियारे को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री आर.के.शुक्ला सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद सिंह पटेल द्वारा किया गया।





डॉ. एस.सी.खरे एवं श्री भंवर सिंह कंवर - डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से माह फरवरी-2025 में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.सी.खरे, एवं कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री भंवर सिंह कंवर को विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल एवं कार्यपालक निदेशक (पीजीटीआई) श्री एस.के. बंजारा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल. पंचारी एवं अति. मुख्य अभियंता श्रीमती राजेश्वरी रावत,श्री एल.एन. सूर्यवंशी, श्री सुनील सरना, श्री विजय सेन चौधरी एवं वरि. मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी उपस्थित थे। कार्यपालन अभियंता श्री पन्ना लाल साहू द्वारा कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता (मा.संसा.) श्री नीलम शर्मा द्वारा किया गया।

श्री बेने टोप्पो एवं श्रीमती सुशीला ठाकुर - डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से माह मार्च में अधीक्षण अभियंता श्री बेने टोप्पो एवं भृत्य श्रीमती सुशीला ठाकुर को विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल, अति. मुख्य अभियंता श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्री एल.एन. सूर्यवंशी, श्री सुनील सरना, श्री विजय सेन चौधरी एवं वरि. मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी उपस्थित थी। कार्यपालन अभियंता श्री पन्ना लाल साहू द्वारा कार्यक्रम का संचालन अधीक्षण अभियंता (मा.संसा.) श्री देवी शंकर राय द्वारा किया गया।





श्री योगेंद्र कुमार दीक्षित, श्री नितिन सेवलकर, श्री तालिका प्रसाद यादव, श्री जग्गू राम यादव, श्री धनीराम देवांगन, श्री होमन लाल गोरे, श्री ओशित कुमार सोम, श्री डोरी राम चंद्रा, श्री तुरेंद्र कुमार साहू, श्री घनश्याम - हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से माह मार्च में अधीक्षण अभियंता श्री योगेंद्र कुमार दीक्षित, श्री नितिन सेवलकर, सहायक अभियंता श्री तालिका प्रसाद यादव, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री जग्गू राम यादव, श्री धनीराम देवांगन, श्री होमन लाल गोरे, श्री ओशित कुमार सोम, श्री डोरी राम चंद्रा, श्री तुरेंद्र कुमार साहू, सिविल परिचारक श्रेणी-दो श्री घनश्याम सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री पीके श्रीवास्तव के हाथों स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता सर्वश्री एमके गुप्ता, पीके स्वैन, पीके मलघानी, केएनबी राव और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री एके कुरनाल उपस्थित थे।

विदाई



श्री सुरेश कुमार रहमतकर, श्री नंद किशोर साय, श्री देवी गुलाम कश्यप, श्री आरती पांडे, श्री महेंद्र सिंह - हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से फरवरी माह में अधीक्षण अभियंता श्री सुरेश कुमार रहमतकर, वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री नंद किशोर साय, मानचित्रकार श्री देवी गुलाम कश्यप, कार्यालय सहायक श्रेणी-दो श्री आरती पांडे और संयंत्र परिचारक श्रेणी-दो श्री महेंद्र सिंह सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी एवं कर्मचारियों को मुख्य अभियंता श्री पीके श्रीवास्तव के हाथों स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एमके गुप्ता, पीके स्वेन, पीके मलघानी और केएनबी राव उपस्थित थे।



श्री अलेक्जेंडर तिग्गा - अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से माह मार्च में कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री अलेक्जेंडर तिग्गा सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारी को मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया के हाथों स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एसडी द्विवेदी, आरके साव, एन. लकरा एवं एके शाह उपस्थित थे।



श्री अजय कुमार पटेरिया, श्री लाल बहादुर सिंह, श्री गोकुल राम बिंझवार, श्री तुलसी राम साहू - अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से माह फरवरी में कार्यपालन अभियंता श्री अजय कुमार पटेरिया, वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री लाल बहादुर सिंह, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री गोकुल राम बिंझवार और मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री तुलसी राम साहू सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एचएन कोसरिया मुख्य अभियंता सर्वश्री एसडी द्विवेदी, एन. लकरा एवं एके शाह उपस्थित थे।



श्रीमती सरिता मसीह - बिलासपुर क्षेत्र के औषधालय में कार्यरत स्टाफ नर्स श्रीमती सरिता मसीह को माह मार्च में विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री ए. के. अम्बष्ट द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर डॉ. के एन साहू, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ व्ही. थॉमस, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. मंजुला साहू उपस्थित थे।

मंगल परिणय



अदितिश्रुति संग मिहिर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक (रायपुर ग्रामीण) श्री संदीप वर्मा एवं श्रीमती अपर्णा वर्मा की सुपुत्री सौ. कां. अदिति श्रुति का शुभ-विवाह श्री पंकज बर्वे के सुपुत्र चि. मिहिर बर्वे के संग 26 जनवरी, 2025 को रायपुर में संपन्न हुआ।



पीयूष संग चारू

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता, कार्या. कार्यपालक निदेशक - सिविल (श्री प्रेमरतन माहेश्वरी) के सुपुत्र चि. पीयूष माहेश्वरी का शुभ विवाह श्री दिनेश जी माहेश्वरी की सुपुत्री सौ.का. चारू के साथ 24 जनवरी 2025 को रायपुर में संपन्न हुआ।



वैशाली संग अभिजात्य

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के कार्यालय कार्यपालक निदेशक (भंडार एवं क्रयः रायपुर) में कार्यरत निज सहायक श्री संतोष कुमार साहू की सुपुत्री सौ. कां. वैशाली साहू का शुभ-विवाह रतलाम (म.प्र.) निवासी श्री संजय साहू के सुपुत्र चि. अभिजात्य साहू के संग 16 नवंबर 2024 को संपन्न हुआ ।

खेल सितारा



जुवेना अग्नेस गोम्स

सहायकअभियंता, कार्यालय मुख्य अभियंता भारप्रेषण केंद्र स्टेट छत्तीसगढ़ पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, रायपुर

मेरे पिता श्री ए एस गोम्स खेल शिक्षक भिलाई स्टील प्लांट के साथ नेशनल फुटबाल कोच है एवं माता श्री सोफिन्स गोम्स खेल शिक्षिका भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई में पदस्थ है। घर पर शुरूआत से ही खेल के विषयों पर चर्चा और खेल जगत की जानकारियां हमेशा से मिलती रही। खेल को लेकर हमारे घर पर सकारात्मक वातावरण रहा, परन्तु फिर भी शिक्षा को सर्वोपरी रखते हुए मेरी परवरिश हुई।

एक समय ऐसा आया कि पढ़ाई के चलते खेल अभ्यास दरकिनार हो गया और इसी दौरान करियर निर्माण की आपाधापी में दैनिक जीवन खेल मात्र एक स्वप्न की तरह लगने लगा।कैरियर को प्राथमिकता देते हुए मैने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूर्ण की और वर्ष 2011 में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी में कनिष्ठ अभियंता के पद पर चयनित हुई। वर्ष 2017 में विभागीय परीक्षा के अंतर्गत सहायक अभियंता पद के लिए चुनी गई।वर्तमान में मै इस पद पर कार्यालय मुख्य अभियंता भार प्रेषण केंद्र रायपुर में सेवाएं दे रही हूँ।

कैरियर में उतार चढ़ाव एवं व्यस्त दिनचर्या को देखते हुए मैने शारीरिक एवं मानसिक कुशलता के लिए एक बार फिर खेल की राह की ओर अपने कदम बढ़ाये।

बैडमिटन की बारीकियों को सीखने और उसमें पारंगत होने में कड़ी मेहनत लगती है और इस प्रकिया में चोट का भी खतरा होता है, परन्तु खेल के प्रति मेरी इच्छाशक्ति और रुचि ने मुझे बैडमिंट के कौशल पर निपूर्ण बनाया, इस हेतु मैने हाथ आंख समन्वय, गति, चपलता, धीरज और संतुलन पर विशेष ध्यान दिया। बैडमिंटन के बुनियादी कौशल में शामिल है, रैकेट ग्रिप, बैडमिंटन के स्विंग और शाट्स का अभ्यास करना इसके अलावा खिलाड़ियों को फोरहैंड ग्रिप को ठीक से सिखने की जरूरत होती है। मै प्रतिदिन अभ्यास करती रही। मेरे लिए यह भी चुनौती रहा कि मै प्रतिदिन भिलाई से आना जाना करती हू। परंतु कार्य और अभ्यास दोनो में संतुलन बनाते हुये, मैं खेल जगत में अपना स्थान बनाने में कामियाब रही।

वर्ष 2017 में मैने केन्द्रीय क्रीड़ा और कला परिषद द्वारा आयोजित अंतर क्षेत्रीय बैडमिंटन खेल स्पर्धा में भाग लिया। इस स्पर्धा में भले ही मैनें कोई खिताब अर्जित नहीं किया परंतु अगामी खेल स्पर्धा के लिए मै संकल्पबद्ध रही। मानसिक कुशाग्रता का आधार स्कूली दिनों का शतरंज का खेल बना। अंतरक्षेत्रीय खेल के पड़ाव को पार करते हुए मैंने वर्ष 2019 में अपने पहले राष्ट्रीय स्पर्धा में भाग लिया।

दैनिक दिनचर्या में कार्य के साथ साथ खेल को प्रभावी तरीके से संपादित करना थोड़ा मुश्किल होता है, पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी ने मुझे यह अवसर प्रदान किया कि मैं कार्य के साथ साथ अपने खेल को भी प्रभावी तरीके से जारी रख संकू।

पॉवर कंपनी के लिए मेडल जीतना मेरे लिए हर्ष व गौरव की बात है।यहां खिलाड़ियों की जरूरत को समझते हुए समय समय पर उचित सुविधाएं प्रदान की जाती है, जैसे कि खेल परिसर, संबंधित सामग्रियां, कोच व अभ्यास के लिए आवश्यक वस्तुएं उपल्बध कराना। इन सब में खेल परिषद के अधिकारियों का विशेष योगदान रहता है जिससे खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

मैंने अब तक 1 अंतरराष्ट्रीय, 6 राष्ट्रीय, 10 राज्य स्तरीय एवं अन्य ओपन टूर्नामनेट में भाग ले चुकी हूँ। इतने सारे प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के पश्चात मैने खुद को बेहतर खलाड़ी और मनुष्य के रूप में स्थापित किया। जहां कार्यस्थल पर मैने विभिन्न कार्यालयों में पदस्थ रहते हुये उच्चअधिकारियों के द्वारा दिये गये सभी कार्यो को समय पर संपादित करती रही वहीं खिलाड़ी होते हुये मुझे स्वतंत्र रूप से अपने प्रतिभा का प्रदर्शन करने को मिला। इन दोनो अवस्था के लिए मैंने खुद को तैयार किया।

मेरे द्वारा पिछले 7 वर्षों में अर्जित पुरस्कार की सूची तालिका में वर्णित है -

क्र सं	प्रतियोगिता का नाम	वर्ष	स्थान	प्रतियोगिता में प्राप्त स्थान
1	43 अखिल भारतीय अंतर्राज्यीय विद्युत मंडलीय प्रतियोगिता	2018-19	इरोड़, तमिलनाडु	तृतीय, टीम प्रतियोगिता
2	अंतर क्षेत्रीय विद्युत प्रतियोगिता		जगदलपुर, छत्तीसगढ़	प्रथम, डबल प्रतियोगिता
3	43 अखिल भारतीय अंतर्राज्यीय विद्युत मंडलीय प्रतियोगिता	2023-24	चेन्नई, तमिलनाडु	तृतीय, टीम प्रतियोगिता
4	22 वॉ छत्तीसढ़ राज्य मास्टर्स बैडमिंटन चैम्पियनशिप	2023-24	कोरबा, छत्तीसगढ़	प्रथम, सिंगस व डबल प्रतियोगिता, द्वितीय (मिश्रित युगल)
5	सैइलांन मास्टर्स अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप,		श्रीलंका,	सेमीफायन लीस्ट (डबल्स)
6	46 अखिल भारतीय अंतर्राज्यीय विद्युत मंडलीय प्रतियोगिता	2024-25	गुवाहाटी (असम)	तृतीय (टीम प्रतियोगिता)
7	अंतर क्षेत्रीय विद्युत प्रतियोगिता	2024-25	रायपुर, छत्तीसगढ़	प्रथम, डबल्स

नया स्तंभ

चाहिए अदद तस्वीरें

जो बयां करती हैं अपने वक्त की कहानियां

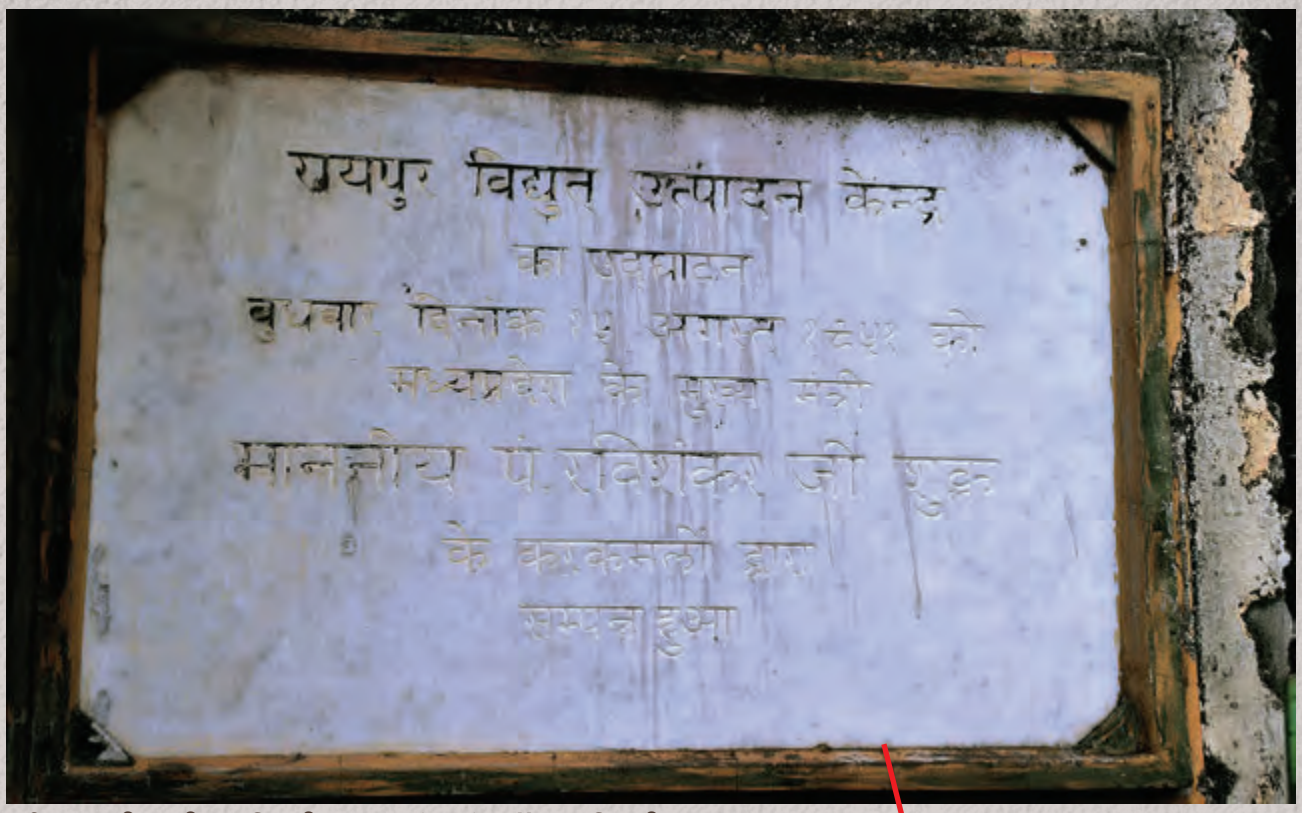

वर्ष 1951 की तस्वीर, गुढ़ियारी, रायपुर में 4 मेगावॉट का बिजली घर, विस्तृत कहानी संकल्प के अक्टूबर 2024 के अंक में

"एक तस्वीर हजार शब्द" यह कोरी कहावत नहीं बल्कि सच्चाई है। एक तस्वीर अपने वक्त की कहानी बयां करती है। अपने वर्तमान स्वरूप में छत्तीसगढ़ राज्य भले ही नवम्बर 2000 में बना हो लेकिन यहां बिजली की दस्तक तो 1915 के आसपास सुनाई देने लगी थी, फिर तो काल-क्रम के साथ विकास के कदमों के निशान बढ़ने लगे। बहुत सी पुरानी बातें, जिन दस्तावेजों में दर्ज होंगी वे इतने बिखरे हैं कि जैसे उपलब्ध नहीं हैं। जनश्रुतियों के साथ जनसहयोग से प्रदेश में बिजली के इतिहास के प्रमाणित दस्तावेज पुरानी तस्वीरों के माध्यम से जुटाने की जुगत है यह स्तंभ।

पाठकों से निवेदन है कि ऐतिहासिक महत्व की ऐसी तस्वीरें साझा करें, यहां प्रेषक के नाम और प्रेषित विवरण के साथ उन्हें प्रकाशित किया जाएगा।

– संपादक



हॉफ बिजली बिल से शून्य बिजली बिल की ओर

मेरा घर
पीएम सूर्यघर

पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

अपने घर की छत पर अपना बिजली घर

- प्रति 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली
- प्लांट लगाने 30 हजार से 78 हजार रुपए तक सब्सिडी
- स्वयं उत्पादित बिजली उपयोग न करने पर समायोजन की सुविधा
- ऑनलाइन आवेदन, आसान रजिस्ट्रेशन
- 7 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक-ऋण की सुविधा

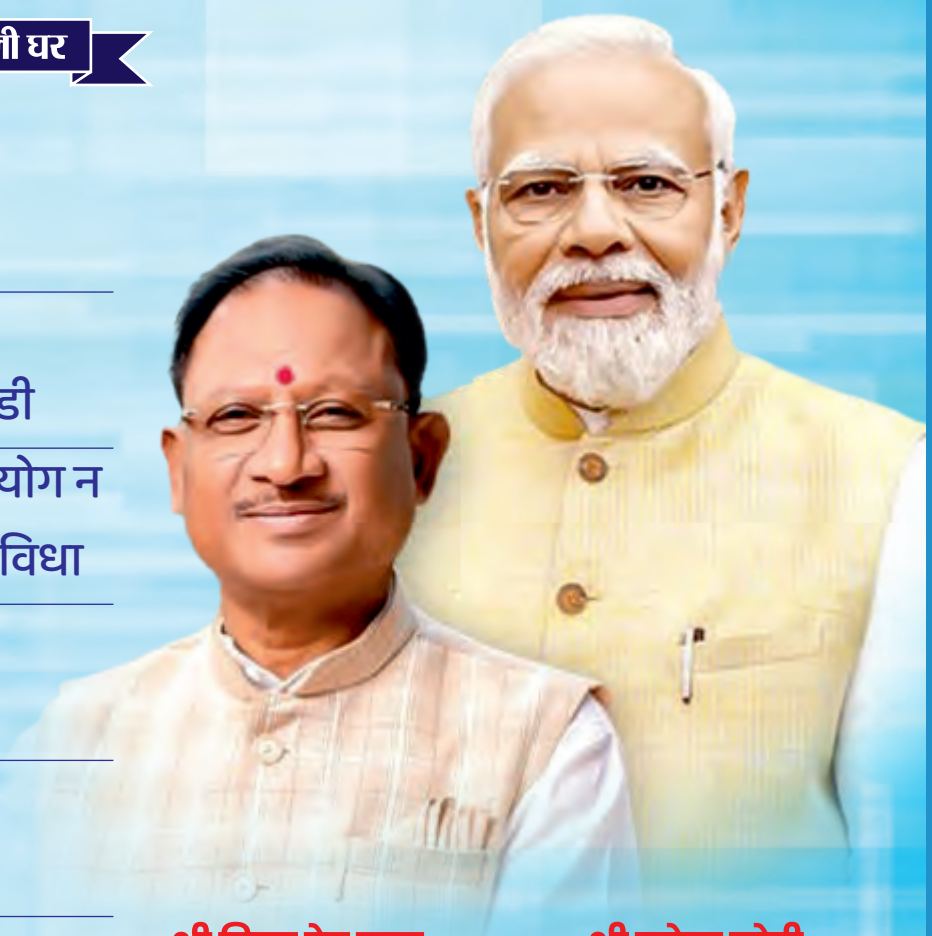

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

www.pmsuryaghar.gov.in // Play Store - PMSURYAGHAR (Mobile App)

CSPDCL

state power comp PR